बालाघाट
गुरुवार 19 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 57
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | - | 82,532.19 |
| निफ्टी | - | 25,387.40 |
| सोना | - | 1,40,912 |
| चांदी | - | 1,85,000 |
| डॉलर | - | 93.46 |

**खास खबर**

## आजम खान डासना जेल से रिहा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान डासना जेल से बाहर आ गए हैं। बीते दिनों उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। उनकी रिहाई से पहले ही केंद्रीय एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दे दी है। सपा के वरिष्ठ नेता की रिहाई 50-50 हजार रुपये के दो जमानती और 50 हजार रुपये का पर्सनल बॉन्ड पर हुई है। शहनवाज और जुनैद उनके जमानती बने हैं। दोनों की तरफ से 50-50 हजार रुपये की दो एफडी भी जमा की गई हैं। इसके अलावा कोर्ट ने एक एफिडेविट दाखिल करने को कहा था। आजम खान के वकील की तरफ से सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। कोर्ट से रिहाई का परवाना डासना जेल के लिए रवाना हो गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान को अंतरिम जमानत मिलने पर खुशी जताई है। गोरखपुर में उन्होंने कहा कि सच की जीत हुई है और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। अखिलेश ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आजम खान को आगे भी न्याय मिलेगा।

## सुपारी किलर वाहिद अंसारी ढेर, 4 गोलियां लगीं

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में सुपारी किलर वाहिद अंसारी (35) एनकाउंटर में मारा गया। वह पूर्वांचल का बड़ा हथियार सप्लायर था। वह पैसे लेकर हत्याएं करता था। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात पता चला कि वाहिद शहर में छिपा है और भागने की फिराक में है। टीम ने घेराबंदी की तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके सीने और पैर में 4 गोलियां लगीं। वह सड़क पर गिर पड़ा। पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगने से एसपी प्राची सिंह बाल-बाल बच गईं। मुठभेड़ रात 12 बजे जिला मुख्यालय से 7 किमी दूर अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में शिव बाबा मंदिर के पास हुई। वाहिद गाजीपुर के बहरियाबाद का रहने वाला था।

## कर्ज मामले में चंदा कोचर को मिली राहत

नई दिल्ली। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर के खिलाफ वीडियोकॉन समूह को दिए गए कर्ज में कथित अनियमितताओं के मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी रद्द कर दी है। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने बुधवार को कहा कि मंजूरी देने वाले प्राधिकारी ने अपने विवेक का और अपने समक्ष रखी गई सामग्री का उचित तरीके से विचार नहीं किया। अदालत ने कहा कि 15 मई, 2023 को जारी की गई मंजूरी अवैध है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

# अनुशासन, जवाबदेही और कर्तव्यनिष्ठा सर्वोपरि - मुख्यमंत्री

## सिवनी प्रकरण में एएसपी, एसडीओपी सहित 6 पुलिसकर्मी तत्काल प्रभाव से निलंबित

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिवनी के एक होटल में पुलिसकर्मियों की टीम द्वारा एक कपल को गांजा रखकर झूठे केस में फंसाने की धमकी दिये जाने के वीडियो वायरल होने के बाद सीएम मोहन यादव की कड़ी नाराजगी के बाद कड़ा एक्शन लिया गया है। होटल में पुलिस अफसर ने कहा कि लड़के के पास गांजा रख दो। वहीं बाद में होटल संचालक ने आरोप लगाते हुए कहा कि उससे 50 हजार रुपए मांगे गए। अब इस मामले में आईजी जबलपुर प्रमोद वर्मा ने एक्शन लेते हुए सिवनी टीआई सतीश तिवारी सहित 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। वहीं मामले में में सभी की भूमिका की जांच अभी जारी है। जानकारी के अनुसार सिवनी के एक होटल में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा कपल को गांजे के मामले में फंसाने की धमकी देने का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एडिशन एसपी दीपक मिश्रा कहते हुए नजर आ रहे हैं, कि इसके पास में गांजा रख दो और फंसा दो। वह कपल से कहते हैं कि अपने माता-पिता को फोन लगाकर बुलाओ, नहीं तो बैग में गांजा रख देंगे। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि वह उनसे दुर्व्यवहार कर रहे हैं। झूठे में फंसाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने हुआ था। वीडियो में सीएसपी चंचलेश मरकाम, एएसपी दीपक मिश्रा और टीआई सतीश तिवारी भी दिखाई दे रहे हैं।

सीएम मोहन यादव ने मामले में ट्वीट करते हुए बताया है कि सिवनी के वायरल वीडियो प्रकरण में प्रथम दृष्टया आचरण सामने आने पर एएसपी, एसडीओपी सहित 6 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं, इसके अलावा जांच के आदेश भी दिए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ होटल संचालक ने भी पुलिसकर्मियों पर 50 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी ने यह कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि छिंदवाड़ा डीआईजी राकेश सिंह पहले ही एसडीओपी चंचलेश मरकाम और एएसपी दीपक मिश्रा के बयान ले चुके हैं। अब जांच का दायरा और बढ़ता जा रहा है। अफसरों का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच चल रही है, फिलहाल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच जारी है। जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

### वर्दी में अनुशासनहीनता एवं कदाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुलिस की वर्दी में अनुशासनहीनता एवं कदाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पुलिस बल में अनुशासन, जवाबदेही और कर्तव्यनिष्ठा सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि सिवनी के वायरल वीडियो प्रकरण में प्रथम दृष्टया संदिग्ध आचरण सामने आने पर एएसपी, एसडीओपी सहित 6 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने और प्रकरण की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी से जिम्मेदारी, मर्यादा और अनुशासन के साथ कर्तव्यों के निर्वहन की अपेक्षा है। कदाचार के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

### वायरल वीडियो के मामले में पुलिस मुख्यालय की तत्काल कार्रवाई

17 नवंबर 2026 को वायरल हुए वीडियो में कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा होटल के कमरे में मौजूद महिला एवं पुरुष से आपत्तिजनक एवं अनुचित तरीके से बातचीत करने तथा उनके सामान में मादक पदार्थ रखने की धमकी दिए जाने संबंधी तथ्य प्रदर्शित हो रहे हैं।



मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री महोदय के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निलंबित किया गया है - 1. दीपक मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सिवनी 2. चंचलेश मरकाम, एसडीओपी, सिवनी 3. निरीक्षक सतीश तिवारी, थाना प्रभारी, सिवनी 4. प्रधान आरक्षक 200 नवीन तिवारी, जिला पुलिस बल, सिवनी 5. आरक्षक (चालक) 606 कृष्णा परते, जिला पुलिस बल, सिवनी 6. आरक्षक 761 सलमान खान, 8वीं वाहिनी, विसबल, छिंदवाड़ा (श्री कॉपनी)

सम्पूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के लिए उप पुलिस महानिरीक्षक, छिंदवाड़ा रेंज को निर्देशित किया गया है । उन्हें जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मध्यप्रदेश पुलिस अनुशासन, जवाबदेही एवं पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्ध है। पुलिसकर्मियों द्वारा अनुचित आचरण एवं कदाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

## बेटे को दिल्ली बुलाने की पिता की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की चुटकी, जज बोले- पहले कम होने दीजिए प्रदूषण

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली के प्रदूषण को लेकर दिलचस्प टिप्पणी सामने आई। बेटे को स्कूल की छुट्टियों में दिल्ली बुलाने की पिता की इच्छा पर न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पहले दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) थोड़ा नीचे आने दीजिए, क्योंकि सिंगापुर की हवा बहुत साफ है। उनकी इस टिप्पणी से अदालत में मौजूद लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिल्ली में रहने वाले एक पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी अलग रह रही पत्नी अदालत के आदेश के बावजूद बच्चों को सिंगापुर ले गई। इससे बच्चों से मिलने के उनके अधिकार प्रभावित हुए।



सुनवाई के दौरान पीठ ने पति-पत्नी और सिंगापुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े उनके बेटे से सीधे बातचीत की। अदालत ने पिता को समय-समय पर सिंगापुर जाकर बेटे से मिलने और लंदन में रह रही बेटी को भी कुछ समय के लिए अपने पास बुलाने का सुझाव दिया, ताकि बच्चों के साथ उनके रिश्ते बेहतर हो सकें।

पिता ने सुझाव का स्वागत करते हुए बेटे को स्कूल की छुट्टियों में दिल्ली बुलाने की इच्छा जताई। इस पर न्यायमूर्ति पारदीवाला ने प्रदूषण का जिक्र करते हुए कहा कि सिंगापुर की हवा काफी साफ है, इसलिए दिल्ली का एक्यूआई पहले कम होना चाहिए।

इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने भी मजाक में कहा कि प्रदूषण से बचने के लिए उन्हें भी सिंगापुर चले जाना चाहिए। इस पर न्यायमूर्ति पारदीवाला ने जवाब दिया, अगले जन्म में। अदालत की इस हल्की-फुल्की टिप्पणी ने दिल्ली के गंभीर प्रदूषण की समस्या को भी चर्चा में ला दिया।

## बाला साहेब की तस्वीर फाड़ने पर घिरीं शाइना एनसी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (शिंदे गुट) की प्रवक्ता शाइना एनसी एक वायरल वीडियो को लेकर विवादों में आ गई हैं। मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तस्वीरें फाड़ते समय कथित तौर पर उन्होंने बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर भी फाड़ना शुरू कर दिया। हालांकि, पास बैठे शिवसेना नेता संजय निरुपम ने उन्हें तुरंत टोका, जिसके बाद उन्होंने तस्वीरें नीचे रख दीं।



यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलीविंग अ जर्नी ऑफ लव में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के कथित डोकेर्स के विरोध में आयोजित की गई थी। शिवसेना नेताओं ने किताब की प्रतियों और कुछ तस्वीरों को फाड़कर विरोध जताया। उनका आरोप है कि किताब के पेज 201 और 443 पर सावरकर के ब्रिटिश सरकार को माफी के लिए पत्र लिखने का उल्लेख किया गया है।

इसी दौरान शाइना एनसी के हाथ में एक तस्वीर थी, जिसमें बाला साहेब ठाकरे और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर नजर आ रहे थे। वर्ष 2004 में सावरकर मुद्दे पर बाला साहेब द्वारा अय्यर के विरोध से जुड़ी इस तस्वीर को फाड़ते समय शाइना से कथित तौर पर चूक हुई। विवाद बढ़ने पर शाइना ने सोशल मीडिया पर सफाई दी। उन्होंने बाला साहेब का अपमान करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि घटना को गलत तरीके से पेश कर झूठ नैरेटिव बनाया जा रहा है। उन्होंने मानहानिकारक दावे करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

## आर्मी के सीनियर ऑफिसर्स की ड्रेस फिर बदलेगी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे।

वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे। इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिप्लेइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है।

## लश्कर कमांडर लतीफ भट का खेल खत्म, सुरक्षाबलों ने कर दिया ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आठ दिनों से जारी सघन अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का वांछित कमांडर लतीफ भट मुठभेड़ में मार गिराया गया है। लतीफ ही 11 नवंबर को हुए सीआरपीएफ चौकी हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। सुरक्षाबलों ने लतीफ भट का एनकाउंटर करके हमले का बदला ले लिया है।

सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि लतीफ कुलगाम के एक मस्जिद में छिपा हुआ है। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने विशेष संयम बरता ताकि मस्जिद को कोई नुकसान न पहुंचे। इसके बाद लतीफ को आत्मसमर्पण के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से अंतिम मौका दिया गया, लेकिन आतंकी लतीफ ने इंकार कर दिया। इसके बाद, सुरक्षाबलों ने आतंकी को बाहर निकालने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए, जिसमें से कुछ मस्जिद के अंदर भी गिरे। जैसे ही लतीफ मस्जिद से बाहर निकला, परिसर के बाहर सुरक्षाबलों ने तभी घेर कर दिया। लतीफ ने अपने साथी उमर निसार डार के साथ मिलकर 11 नवंबर को अखनून (मीर बाजार के पास) स्थित सीआरपीएफ चौकी पर हमला किया था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। इस हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था। पिछले आठ दिनों से पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी थी, जहां करीब 600 से अधिक सॉंदिग्धों से पूछताछ की गई और कई को आधिकारिक तौर पर हिरासत में भी लिया गया। घेराबंदी वाले इलाकों में आने-जाने के सभी रास्तों पर कई स्तरों के चेकपॉइंट बनाए गए थे। बता दें कि 16 नवंबर को भी लतीफ को कुलगाम के लारू इलाके में घेरा गया था, लेकिन वह मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़कर भागने में सफल रहा था। हालांकि, उस मुठभेड़ में उसका साथी उमर निसार डार के साथ मिलकर 11 नवंबर को अखनून (मीर बाजार के पास) स्थित सीआरपीएफ चौकी पर हमला किया था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। इस हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था। पिछले आठ दिनों से पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी थी, जहां करीब 600 से अधिक सॉंदिग्धों से पूछताछ की गई और कई को आधिकारिक तौर पर हिरासत में भी लिया गया। घेराबंदी वाले इलाकों में आने-जाने के सभी रास्तों पर कई स्तरों के चेकपॉइंट बनाए गए थे। बता दें कि 16 नवंबर को भी लतीफ को कुलगाम के लारू इलाके में घेरा गया था, लेकिन वह मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़कर भागने में सफल रहा था। हालांकि, उस मुठभेड़ में उसका साथी उमर निसार डार मारा गया था। जांच में सामने आया कि लतीफ भट और उमर निसार डार ने 10 नवंबर को कुलगाम के मीर बाजार, अखनून, हबलिंग और किलम जैसे इलाकों की रेकी की थी, जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं।

## सीजेआई पर टिप्पणी मामले में वकील को अवमानना नोटिस

### -20 जनवरी तक जवाब मांगा; वकील ने कहा था- आप कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई सूर्यकांत पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले वकील को अवमानना नोटिस जारी किया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर हुई। एसोसिएशन ने वकील के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता, जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की तीन जजों की बेंच ने वकील से जवाब मांगा। कोर्ट ने नोटिस का जवाब देने के लिए 20 जनवरी 2027 की तारीख तय की। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत से तीखी बहस की। वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई चाहते थे। कोर्ट में जब सीजेआई ने उन्हें इंतजार करने को कहा तो वकील ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें ईमानदारी नहीं है। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे की है। सीजेआई सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी मौजूद थे। वकील ने तय प्रक्रिया के बिना अपना मामला रखने के लिए पहले माफी मांगी। इस पर जस्टिस वी. मोहना ने कहा कि वे इस तरह मामले का जिक्र नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत ने वकील से कहा कि हम आपका आवेदन देखेंगे, आप थोड़ा इंतजार कीजिए।

**कुछ ना कहना**




**महंगाई पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा, खरगे बोले**

## भाषण की लंबाई नहीं, थाली और जेब से मापी जाएगी तरक्की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की प्रधानमंत्री के भाषणों की लंबाई से नहीं मापी जाएगी। इसे आम लोगों की थाली में मौजूद खाने और उनकी जेब में बचे पैसों से मापा जाएगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार ने 12 साल पहले महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन इसका नतीजा उल्टा निकला। आम लोगों को कम सामान मिल रहा है। उनकी जेब खाली हो रही है। जरूरी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।



खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि मोदी जी ने महंगाई कम करने का वादा किया था। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि आम आदमी की थाली छोटी होती जा रही है, उसकी जेब खाली होती जा रही है और घर चलाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने आगे सवाल किया कि मोदी जी, देश की तरक्की का पैमाना आपके भाषणों की लंबाई नहीं, बल्कि आम आदमी की थाली में खाना और उसकी जेब में बचा पैसा है। आपकी आर्थिक बदहैसामी की कीमत आखिर लोग कब तक चुकाते रहेंगे?

### 12 साल में कितने बढ़े चीजों के दाम?

खरगे ने दावा किया, मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में महंगाई का बोझ लगातार बढ़ा है। लोग बेबस हैं। उन्होंने 2014 और 2026 के दामों की तुलना करते हुए कहा, 2014 में महंगाई कम करने का वादा किया गया था। लेकिन 2026 में लोगों की जेब पर बोझ बढ़ गया है। खरगे के मुताबिक, 2014 से 2026 के बीच जरूरी चीजों के दाम इस तरह बढ़े-

गेहूं का आटा- 21 रुपये से बढ़कर 69 रुपये हो गया।
अरहर की दाल- 75 रुपये से बढ़कर 180 रुपये हो गई।
सरसों का तेल- 102 रुपये से बढ़कर 263 रुपये हो गया।
दूध- 36 रुपये से बढ़कर 85 रुपये हो गया।
चावल- 29 रुपये से बढ़कर 71 रुपये हो गया।

## आय से 500 गुना से अधिक संपत्ति के आरोपी एसडीओ संजीव शर्मा निलंबित, अब नहीं बन पाएंगे डीएफओ

भोपाल। आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त पुलिस की जांच के दायरे में आए वन विभाग के एसडीओ संजीव कुमार शर्मा को राज्य शासन ने बुधवार को निलंबित कर दिया है। शर्मा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पदस्थ थे। लोकायुक्त पुलिस ने 14 नवंबर को उनके शासकीय और निजी आवास पर छापेमारी की थी। इसमें सात करोड़ 60 लाख रुपये की संपत्ति का पता चला था, जिसमें तीन करोड़ रुपये की ज्वेलरी शामिल है। उन पर आय से 500 गुना से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।



### निलंबन अवधि में भोपाल रहेगा मुख्यालय

वन विभाग ने शर्मा को मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रविधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में शर्मा का मुख्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय भोपाल रहेगा। लोकायुक्त पुलिस ने उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

### हिमाचलीय जांच की तैयारी, डीएफओ बनने का रास्ता भी होगा बंद

निलंबन के बाद अब वन विभाग संजीव शर्मा के विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू करेगा। इसके पहले कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा जाएगा। इसका जवाब आने पर आरोप पत्र जारी किया जाएगा। आरोप पत्र जारी होने और विभागीय जांच शुरू होने की स्थिति में उनकी पदोन्नति का रास्ता भी बंद हो जाएगा। संजीव शर्मा सहित अन्य अधिकारियों को डीएफओ के पद पर पदोन्नत करने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो चुकी है। इसमें उन्हें पदोन्नति के लिए फिट पाया गया था।

# 50 किलोमीटर का सफर तय कर कलेक्ट्रेट पहुंचे आदिवासी

## सड़क,बिजली, पेयजल और आवासीय पट्टे के लिए वर्षों से भटक रहे बैगा परिवार, बोले- गांव में पीने लायक पानी तक नहीं, हैंडपंप से निकल रहा जंग लगा पानी, नल-जल योजना की टंकी बनी शोपीस

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदिवासी बाहुल्य जिले के दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले आदिवासी परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल और आवासीय भूमि के पट्टे जैसी मूलभूत जरूरतें पूरी नहीं होने से ग्रामीणों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हालात यह हैं कि स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध नहीं होने के कारण ग्रामीणों को जंग लगा और दूषित पानी पीकर गुजारा करना पड़ रहा है। गांव में नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण तो करा दिया गया,लेकिन योजना अब तक शुरू नहीं हो सकी है। अपनी इन्हीं समस्याओं को लेकर बैहर क्षेत्र के गुरखारी गांव के आदिवासी ग्रामीण बुधवार को करीब 50 किलोमीटर से अधिक का सफर तय कर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन के माध्यम से उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।**



### वन विभाग की कार्रवाई से खेती पर भी संकट

ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं के साथ खेती-किसानी से जुड़ी परेशानी भी प्रशासन के सामने रखी। इमरती मरकाम ने बताया कि इस वर्ष वे खेती भी नहीं कर सके जिस जमीन पर ये खेती करते आ रहे थे, वहां वन विभाग द्वारा तोड़फोड़ की कार्रवाई किए जाने के कारण कृषि कार्य प्रभावित हुआ है। ऐसे में परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।एक तरफ गांव में रोजगार और खेती के पर्याप्त साधन नहीं हैं, वहीं दूसरी तरफ मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन करना भी मुश्किल हो रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि उनकी जमीन और खेती से जुड़ी समस्या की भी जांच कर उचित समाधान निकाला जाए।

### हैंडपंप से निकल रहा जंग लगा पानी, मजबूरी में पी रहे

गांव की सबसे गंभीर समस्या पेयजल की बताई जा रही है। ग्रामीण राकेश मरकाम ने बताया कि गुरखारी पूरी तरह बैगा बाहुल्य गांव है, लेकिन यहां पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। गांव के हैंडपंप से साफ पानी के बजाय जंग लगा पानी निकलता है। इसके बावजूद दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण ग्रामीण इसी पानी का उपयोग करने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि नल-जल योजना के अंतर्गत गांव में पानी की टंकी का निर्माण तो करा दिया गया है, लेकिन आज तक इससे जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। सरकारी योजना का ढांचा गांव में मौजूद होने के बावजूद ग्रामीणों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब गांव में पानी की टंकी का निर्माण हो चुका है तो आखिर जलापूर्ति शुरू करने में देरी क्यों हो रही है।

### गांव में शिविर लगाकर सुनी जाएं ग्रामीणों की समस्याएं

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि केवल कलेक्ट्रेट में आवेदन लेकर आश्वासन देने के बजाय अधिकारी स्वयं गांव पहुंचकर वहां की वास्तविक स्थिति देखें। गांव में विशेष शिविर आयोजित किया जाए, जिसमें राजस्व, वन, पंचायत और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएं और आवासीय पट्टे, पेयजल, सड़क, बिजली तथा खेती से संबंधित मामलों का मौके पर परीक्षण कर निराकरण किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी परिवारों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी जिला मुख्यालय तक लंबा सफर तय करना पड़ता है। यदि प्रशासन गांव में ही शिविर लगाकर उनकी समस्याएं सुने तो उन्हें बड़ी राहत मिल सकती है।

### आश्वासन लेकर लौटे ग्रामीण, अब कार्रवाई का इंतजार

गुरखारी से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को रखते हुए जल्द निराकरण की मांग की। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी मांगों और समस्याओं का जल्द समाधान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ग्रामीण वापस लौट गए। हालांकि ग्रामीणों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि उन्हें स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली और आवासीय पट्टे की सुविधा आखिर कब तक मिल पाएगी। आदिवासी बाहुल्य जिले के दूरस्थ गांवों में विकास और सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के दावों के बीच गुरखारी की तस्वीर प्रशासनिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रही है।

### दशकों से रह रहे,फिर भी जमीन का पट्टा व मूलभूत सुविधाएं नही-इमरती मरकाम

आवेदन लेकर अन्य ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची महिला इमरती मरकाम ने बताया कि गांव में सड़क, बिजली और पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। ग्रामीण लंबे समय से इन समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी परेशानियों का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि गांव में कई परिवार दशकों से निवास कर रहे हैं, इसके बावजूद उनके पास आवासीय भूमि का कोई वैधानिक पट्टा अथवा स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। इसके चलते उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब उनके पास निवासरत भूमि के वैध दस्तावेज ही नहीं हैं तो वे सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त करें।

# बिरसा मुंडा के संघर्ष और योगदान पर संगोष्ठी, अभाविप की नवीन कार्यकारिणी घोषित

## प्रियांशु तिवारी बने महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष, बानी बोपचे को मिली मंत्री की जिम्मेदारी



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजाति गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बालाघाट द्वारा आयोजित साप्ताहिक पखवाड़े के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालय इकाई की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। इसमें प्रियांशु तिवारी को अध्यक्ष और बानी बोपचे को मंत्री नियुक्त किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।संगोष्ठी में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक पारस ठाकरे तथा अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अभाविप बालाघाट नगर अध्यक्ष राजेश गौतम ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजी शासन के शोषण और जनजातीय समाज की जमीन, संस्कृति एवं अस्मिता पर हो रहे हमलों के विरुद्ध उलगुलान का नेतृत्व किया। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है।इस दौरान जिला विद्यार्थी विस्तारक गौरव वाल्मीकि ने विद्यार्थियों को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्य से परिचित कराया। वहीं जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने परिषद की कार्यपद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अभाविप ज्ञान, शील और एकता के मूल मंत्र के साथ छात्र हित एवं व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के ध्येय को लेकर कार्य कर रही है।

### कार्यक्रम के बाद की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा

संगोष्ठी के पश्चात नगर अध्यक्ष राजेश गौतम ने महाविद्यालय इकाई की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रियांशु तिवारी को अध्यक्ष एवं बानी बोपचे को मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के अंत में नगर मंत्री कलश असाटी ने उपस्थित वक्ताओं, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यकारिणी की घोषणा के बाद सभी सदस्यों ने महाविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। भारत माता की जय और जय विवेकानंद के जयघोष के साथ कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागिता निभाने तथा विद्यार्थियों के हितों के लिए सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया। नवीन कार्यकारिणी ने परिसर में विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं मूलभूत समस्याओं के समाधान, नए विद्यार्थियों को परिषद से जोड़ने तथा जनजातीय महापुरुषों के जीवन और योगदान से युवाओं को परिचित कराने की प्रतिबद्धता भी जताई।कार्यक्रम में जिला छात्रा प्रमुख कोमल भंडारकर, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य कुबेर सिंह बैस, रोशनी बघ्रई, चेतना दुधमोगरे, माही तुरकर, पलक पारधी, पूर्वा पटले, एकता बागड़ी, छाया, आयुषी दशमेर, गायत्री रानीगोलदार, सलोनी अटरे, सेफाली नगपुरे, साक्षी बुंदेले, नैना वारडे, कुमकुम हरिनखेड़े, मुस्कान सोनवाने, पावनी डोंडरे, राहुल खरडे, अमन दशरिये, आर्यन दमाहे, आयुष नगपुरे, अम्बर ध्यानी, आरव कूमरे, रक्षित दुबे, मोहनीश दादरे, नारायण पटले, शिवम लिल्हारे, वैदिक नगपुरे, खुशियाल नगपुरे, सुभाष पगड़वार, अंकित नगपुरे, निखिल मरावी, सूर्यकांत सैयाम, देव जायसवाल, तुषार उइके, रौनक आसटकर, मासूम बोरगवार, आयुष करटे, समीर बैरया, जितेंद्र कुतराहे, मयंक लिल्हारे, जतीन नगपुरे, विक्कू यादव एवं नितिन मेश्राम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 1 दिसंबर से होगी शुरू, 20 जनवरी तक चलेगा उपार्जन कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारियों को लेकर 18 नवंबर को कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जबलपुर, रीवा एवं शहडोल संभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने धान उपार्जन की व्यवस्थाओं को समय-सीमा में पूरा करने तथा किसानों को खरीदी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर आदित्य सिंह, अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन सहित धान उपार्जन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 1 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होकर 20 जनवरी 2027 तक चलेगी। खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक की जाएगी। किसानों से धान का उपार्जन 2,441 रुपये प्रति क्विंटल की दर से किया जाएगा। इसके लिए 25 नवंबर 2026 से स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

# जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आंवला नवमी पर्व

## आंवला वृक्ष की परिक्रमा कर सौभाग्यवती महिलाओं ने मांगी मन्नते

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में आंवला नवमी का पर्व हर्षोल्लास और पूर्ण विधि विधान के साथ मनाया गया।जहां सौभाग्यवती महिलाओ ने परिवार की सुख, समृद्धि, निरोगी जीवन, धन्य लाभ की मंगल कामनाओं के साथ-साथ पति व सन्तानो की दीर्घायु के लिए आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना की जिसका एक नजारा बुधवार को नगर के शंकर घाट, बजरंग घाट, श्री राम मंदिर सहित अन्य स्थानों पर देखने को मिला।जहां आंवला वृक्ष के नीचे महिलाओं द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आंवला नवमी का पर्व मनाया गया।इस दौरान कई महिलाएं अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाते नजर आई, तो वहीं कई महिला समूह ने सामूहिक तौर पर पूजा अर्चना कर, भजन कीर्तन, महा आरती सहित अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया।पूजा अर्चना का यह दौर बुधवार सुबह से देर शाम तक देखा गया वहीं विभिन्न स्थानों देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ नजर आई।

### आंवला वृक्ष को भेंट की गई विभिन्न सामग्री

कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाए जाने वाले इस आंवला नवमी पर्व पर बुधवार को सूर्योदय से पूर्व स्नान करके सौभाग्यवती महिलाओ द्वारा आंवले के पेड़ की जड़ में दूध, रोली, अक्षत, फूल, गंध चढ़ाया गया। फिर आंवले के पेड़ की कम से कम 07 बार, व 11 बार और अधिक से अधिक 108 बार परिक्रमा कर दीये जलाएं। इसके बाद महिलाओ ने आंवला वृक्ष के नीचे कथा का वचन कर आंवले के पे? का पूजन



किया। वही आंवला वृक्ष को सोलह सिंगार की सामग्री अर्पित कर विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग लगाकर आंवला वृक्ष के समीप मां गौरी की आरती की, वही उसी वृक्ष के नीचे बैठकर सह परिवार भोजन ग्रहण किया। इस दौरान कई सौभाग्यवती महिलाएं अपने पति और पुत्र की दीर्घायु सहित परिवार के लिए आरोग्यता और सुख सौभाग्य की मंगल कामनाए करती हुई नजर आई।

### आंवला के पेड़ पर होता है देवताओं का वास

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आंवले के पेड़ में देवताओं का वास होता है जिसमें भगवान विष्णु और भगवान शिव आंवले के वृक्ष में वास करते हैं इसके चलते आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है।यह प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। इस दिन आंवले के पे? का पूजन कर परिवार के लिए आरोग्यता और सुख-सौभाग्य की कामना की जाती है। मान्यता के अनुसार, इस दिन किया गया तप, जप, दान इत्यादि व्यक्ति को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्त करता है। आंवले के पेड़ की पूजा करने का एक कारण यह भी है कि आंवला स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी होता है। विभिन्न रूपों में इसका सेवन बीमारियों को दूर करता है।

### आंवला वृक्ष की परिक्रमा कर मांगी गई मन्नते

आंवला नवमी पर्व के दौरान शंकर घाट में आंवला वृक्ष की पूजा कर रही महिलाओ ने सामूहिक तौर पर बताया कि यह पर्व पति और संतान की दीर्घायु के लिए मनाया जाता है जिसमें परिवार की सुख समृद्धि के लिए मंगल कामनाएं की जाती हैं इस पर्व के लिए सुबह स्नान, ध्यान कर भगवान की पूजा अर्चना की गई है।यहां भगवान विष्णु की विशेष पूजा की गई है।तरह-तरह के पकवान मीठी बर्फी गुलाब जामुन सब्जी पुड़ी आदि का भोग चढ़ाया गया है।वही श्रृंगार का सामान जैसे टिकली बिंदी सिंदूर कुंकु चूड़ी चावल हल्दी सहित अन्य सामग्रियां अर्पित की गई है।वहीं आंवला वृक्ष की 108 बार परिक्रमा कर मन्नतें मांगी गई है।

### परिवार की सुख समृद्धि के लिए की गई आंवला वृक्ष की पूजा- प्रभावती बाई

आंवला नवमी पर शंकर घाट में आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना कर रही श्रीमती प्रभावती बाई सहित अन्य महिलाओं ने संयुक्त रूप से बताया कि आंवला नवमी की पूजा सुख समृद्धि और पति पुत्र की दीर्घायु के लिए की जाती है जहां आंवला वृक्ष पर सोलह श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाई जाती है तरह-तरह के पकवानों का भोग लगाकर वृक्ष की कम से कम 7 और11 बार परिक्रमा की जाती है वही लक्ष्मी नारायण भगवान की पूजा होती है उन्होंने बताया कि आंवला वृक्ष के नीचे सह परिवार सहित भोजन करने का भी विशेष प्रावधान है सभी सौभाग्यवती महिलाएं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं।

# गायखुरी में 20 को सजेगा मेला, रूखमणि और भामिनी के बीच होगा शाहिरी मुकाबला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तुलसी विवाह ग्यारस पर्व के अवसर पर गायखुरी स्थित वैनगंगा नदी तट पर 20 नवंबर, शुक्रवार को पारंपरिक दिन-रात मेले का आयोजन किया जाएगा। वैनगंगा मेला समिति गायखुरी द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी वार्ड क्रमांक 33 में शिव मंदिर के समीप मेले की तैयारियां की जा रही हैं। मेले में जहां दिनभर दुकानों और मनोरंजन के साधनों के साथ चहल-पहल रहेगी, वहीं रात में आयोजित होने वाला महिला शाहिरी मुकाबला आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा। आयोजन समिति के अनुसार रात्रि 9.30 बजे से दो महिला शाहिरों के बीच दुय्यम शाहिरी मुकाबले का आयोजन किया जाएगा। इसमें ग्राम दिनी, वारासिवनी की महिला शाहिर श्रीमती रूखमणि लिल्हारे और ग्राम गरोंठोला, रामपायली की महिला शाहिर श्रीमती भामिनी शेंडे अपनी शाहिरी कला का प्रदर्शन करेंगी। दोनों शाहिर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगी। मुकाबले को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह है। मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वैनगंगा मेला समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समिति पदाधिकारियों और वार्ड क्रमांक 33 के निवासियों ने दुकानदारों, क्षेत्रवासियों तथा दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मेले और शाहिरी मुकाबले का आनंद लेने की अपील की है।

# जंगल में गश्त कर रहे वनरक्षक पर भालू का हमला

## अर्जुनी मोरगांव ग्रामीण अस्पताल में उपचार जारी



पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव वनपरिक्षेत्र के जंगल में नियमित गश्त कर रहे एक वनरक्षक पर भालू ने अचानक हमला कर दिया. यह घटना बुधवार, 18 नवंबर को सुबह करीब 9.30 बजे घटित हुई. हमले में बीट वनरक्षक सतीश देवराम शेंदरे (खुटाई-2) गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

वनपरिक्षेत्र अधिकारी आर.एम. बहुरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वनरक्षक सतीश शेंदरे बुधवार सुबह अपने अधीनस्थ क्षेत्र के कक्ष क्र. 316 की पगडंडी पर अकेले गश्त कर रहे थे. इसी दौरान जंगल में वन्यप्राणी की आहट सुनाई दी. वे कुछ समझ पाते, इससे पहले ही झाड़ियों में छिपे भालू ने उन पर अचानक हमला कर दिया. भालू के हमले से बचने के लिए शेंदरे ने काफी संघर्ष किया. इस दौरान भालू ने उनके बाएं हाथ की कलाई और दाईं जांघ पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. घटनास्थल घने जंगल में होने के कारण वहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं था. साथ में कोई अन्य कर्मचारी भी नहीं था. इसके बावजूद घायल अवस्था में शेंदरे ने हिम्मत नहीं हारी. वे किसी तरह जंगल से बाहर निकले और नेटवर्क क्षेत्र में पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी. सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा घायल वनरक्षक को तत्काल अर्जुनी मोरगांव ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया. वनपरिक्षेत्र अधिकारी आर.एम. बहुरे के अनुसार, चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर ट्रॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 19 नवम्बर 2026

# बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## राष्ट्रमंडल महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे का चयन

### मध्यप्रदेश की तीन महिला विधायकों में मिली जगह, 17 से 19 नवंबर तक बेंगलुरु में होगा सम्मेलन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 17 से 19 नवंबर तक राष्ट्रमंडल महिला सांसदों एवं विधायकों का भारत क्षेत्र सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश विधानसभा की ओर से बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का चयन किया गया है। प्रदेश की 27 महिला विधायकों में से चुनी गई तीन प्रतिनिधियों में उनका शामिल होना बालाघाट के लिए गौरव का विषय है। भारत सरकार, लोकसभा अध्यक्ष की पहल तथा मध्यप्रदेश विधानसभा और कर्नाटक विधानमंडल के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को अधिक प्रभावशाली बनाना और उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना है। बेंगलुरु स्थित विधानसभा परिसर के बैंक्वेट हॉल में होने वाले इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित महिला सांसद और विधायक हिस्सा लेंगी। सम्मेलन में महिला नेतृत्व, विधायी प्रक्रिया, नीतिगत निर्णयों में महिलाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनके योगदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मध्यप्रदेश विधानसभा की कुल 27 महिला विधायकों में से तीन का चयन किया गया है। इनमें भाजपा की दो विधायक और कांग्रेस की ओर से बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे की सदस्यता को अंतिम रूप दिया गया है। चयन के लिए विधायकों की सदन में सक्रियता, कार्यप्रणाली की समझ, प्रश्न पूछने की क्षमता, प्रस्तोत्तरी सहभागिता, विषयों की प्रस्तुति और समसामयिक मुद्दों पर जानकारी जैसे पहलुओं को आधार बनाया गया। इन मानकों पर अनुभा मुंजारे का चयन उनके विधायी अनुभव और सदन में सक्रिय भागीदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तीन दिवसीय सम्मेलन में महिला जनप्रतिनिधियों को अपने अनुभव साझा करने और विभिन्न राज्यों की विधायी कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा। महिला सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर भी चर्चा प्रस्तावित है। इसके साथ ही सदन में जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने, नीतिगत फैसलों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिला प्रतिनिधित्व को मजबूत करने पर विचार किया जाएगा।



#### राज्य अतिथि का मिला सम्मान

सम्मेलन में सहभागिता के लिए अनुभा मुंजारे को कर्नाटक में राज्य अतिथि का दर्जा प्रदान किया गया है। उन्होंने इस सम्मान के लिए कर्नाटक सरकार और वहां की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित रखने के बजाय निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी प्रभावी भूमिका देना जरूरी है। महिला जनप्रतिनिधियों के विचार और अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बालाघाट विधायक का इस सम्मेलन के लिए चयन जिले के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर के मंच पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशभर की महिला जनप्रतिनिधियों से संवाद और अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा।

## नाहरवानी साई आनंद आश्रम में 21 से 23 नवंबर तक होगा तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नाहरवानी-केसलेवाड़ा स्थित ओम श्री सिद्ध साईं शक्ति पीठ आनंद आश्रम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री सच्चिदानंद सद्गुरु साईनाथ महाराज की दिव्य प्रेरणा एवं असीम कृपा से तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। आगामी 21 नवंबर से 23 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस वार्षिक महोत्सव को लेकर आश्रम परिवार, ग्रामवासियों एवं साईं भक्तों में विशेष उत्साह का वातावरण है तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को साईं बाबा के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करने, आध्यात्मिक वातावरण में समय बिताने तथा भक्ति और सेवा के भाव से जुड़ने का अवसर मिलेगा। वार्षिक उत्सव के दौरान आश्रम परिसर में साईं नाम की महिमा और गुरु भक्ति का विशेष महत्व रहेगा।उल्लेखनीय है कि ओम श्री सिद्ध साईं शक्ति पीठ आनंद आश्रम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह वार्षिक उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आध्यात्मिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित दूर-दराज से भी साईं भक्तों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन का उद्देश्य साईं बाबा के संदेश, प्रेम, सेवा, सद्भावना और मानव कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।आश्रम के संरक्षक एवं संचालक हजरत बाबू शाह, बाबूलाल बुधराम ब्रह्मणकर (साईं राम गुरुजी), समस्त ग्रामवासियों एवं साईं भक्त चमनलाल लेंगरे ने जिले एवं आसपास के क्षेत्र के समस्त साईं भक्तों, धर्मप्रेमी नागरिकों और ग्रामवासियों से तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पुनीत धार्मिक आयोजन में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर साईं बाबा की करुणा, कृपा एवं आशीर्वाद के सहभागी बनें। सभी के सहयोग और सामूहिक सहभागिता से वार्षिक उत्सव को सफल एवं भव्य बनाने का आह्वान करते हुए आयोजकों ने साईं भक्तों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।



## वर्षा हत्याकांड में अब तक महाराष्ट्र पुलिस के हाथ खाली, परिजन और पति ने नितेश अग्रवाल पर जताया संदेह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 14 नवंबर को हुई वर्षा की हत्या के मामले में महाराष्ट्र पुलिस की जांच अब तक किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। घटना के चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ ऐसा कोई पुख्ता सुराग नहीं लगा है, जिससे हत्या की गुत्थी सुलझ सके। दूसरी ओर, मृतका के परिजन और अब उसके पति ने भी नितेश अग्रवाल पर संदेह जताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि वर्षा और नितेश के बीच लाखों रुपए का लेनदेन था, वहीं पति के सामने आए बयान में भी दोनों के बीच नितेश को लेकर विवाद होने की बात कही गई है। हालांकि इन आरोपों की पुलिस जांच में पुष्टि होना अभी बाकी है। मृतका की मां निर्मला तुरकर पहले ही नितेश अग्रवाल पर संदेह जताते हुए बता चुकी हैं कि उनकी बेटी वर्षा और नितेश के बीच करीब 60 लाख रुपए का लेनदेन था। परिजनों के आरोपों के बाद अब वर्षा के पति का बयान भी सामने आया है। इसमें उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले वर्षा के साथ नितेश को लेकर उनका विवाद हुआ था। पति के मुताबिक उन्होंने वर्षा से नितेश के साथ सीधे बातचीत करने से मना किया था। उनका आरोप है कि नितेश शराब का सेवन करने के बाद वर्षा को फोन किया करता था और वर्षा कई बार उसका फोन काट देती थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कई बार कहासुनी भी हुई थी। परिजनों और पति के इन बयानों के बाद मामले में नितेश अग्रवाल की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि किसी पर संदेह जताया जाना और आरोप लगाए जाना अपने आप में अपराध साबित नहीं करता। हत्या के पीछे वास्तविक वजह क्या थी और घटना में किसकी भूमिका रही, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। इधर, महाराष्ट्र पुलिस मामले की जांच में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अलग-अलग पहलुओं से जानकारी जुटा रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 18 नवंबर तक जांच में कोई ऐसा ठोस सुराग सामने नहीं आया था, जिससे हत्या की वजह या आरोपी की भूमिका स्पष्ट हो सके। नितेश अग्रवाल से भी पुलिस पूछताछ कर रही है, लेकिन अब तक की स्थिति में पूछताछ से कोई निर्णायक जानकारी सामने आने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल वर्षा हत्याकांड की जांच कई सवालों के बीच आगे बढ़ रही है। एक ओर परिजन और पति नितेश पर संदेह जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस को हत्या की वजह और घटनाक्रम से जुड़े ठोस साक्ष्यों की तलाश है। अब सबकी निगाहें महाराष्ट्र पुलिस की जांच पर टिकी हैं कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इस मामले में कब तक कोई स्पष्ट खुलासा हो पाता है।



#### फिलहाल वर्षा मामले में कोई सुराग नहीं मिला है-प्रशांत भूते

दवनीवाड़ा थाना प्रभारी प्रशांत भूते ने दुरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच में शामिल किया गया है। घटना से संबंधित प्रत्येक पहलू और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीमें लगातार जानकारी जुटाने और मामले से जुड़े तथ्यों का पता लगाने में लगी हुई हैं। फिलहाल जांच में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है, लेकिन पुलिस हर संभावित दिशा में प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी ने उम्मीद जताई कि आगामी एक से दो दिनों में मामले से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं और पुलिस मामले का खुलासा करने में सफल होगी।

## मुआवजा वितरण पर सवालों के बीच भटेरा ओवरब्रिज प्रभावितों का धरना तीसरे दिन भी जारी

### कलेक्टर बोले- नियमानुसार दिया गया मुआवजा, नजूल भूमि से जुड़ी शिकायतों की होगी जांच

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए भू-अर्जन और मुआवजा वितरण को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब 206 भवनों को अधिग्रहण के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें से 181 प्रभावितों को प्रशासन मुआवजा वितरित कर चुका है, जबकि शेष 25 लोगों के प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। इसके बावजूद मुआवजे में भेदभाव और निर्धारित राशि से कम भुगतान किए जाने के आरोप लगाते हुए प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रभावितों का कहना है कि जब तक मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया और प्रत्येक मद में दी गई राशि का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।**




मामले को लेकर प्रभावित राशिद अहमद ने आरोप लगाया कि भू-अर्जन की प्रक्रिया में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि न तो जमीनों का विधिवत माप किया गया और न ही पंचनामा तैयार किया गया। अधिकारियों ने सड़क पर खड़े होकर अनुमान के आधार पर मुआवजा प्रकरण तैयार कर दिए। प्रभावितों को यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि मुआवजे में जमीन, निर्माण और सोलैटियम की राशि कितनी निर्धारित की गई है। इसी अस्पष्टता के कारण किसी को अधिक तो किसी को अपेक्षाकृत कम मुआवजा मिलने की स्थिति बनी है। बुधवार को प्रशासन की ओर से प्रभावितों की चर्चा के लिए बुलाया गया। एडीएम बर्मन ने प्रभावितों की समस्याएं सुनीं और उनसे लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायतें तथा मुआवजा संबंधी जानकारी देने को कहा, ताकि उनकी समस्याओं को शासन तक पहुंचाया जा सके। साथ ही प्रशासन की ओर से प्रभावितों को यह भरोसा दिलाया गया कि उन्हें दिए गए मुआवजे की गणना और विभिन्न मदों में निर्धारित राशि का पूरा विवरण लिखित रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। प्रभावितों का मानना है कि मुआवजे की गणना सार्वजनिक होने से ही वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता सामने आ सकेगी। इधर, कलेक्टर आदित्य सिंह ने स्पष्ट किया कि भू-अर्जन के तहत सभी प्रभावित परिवारों को शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार मुआवजा दिया गया है। किसी को भी नियमों के विरुद्ध भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि नजूल भूमि के पट्टे अथवा उससे संबंधित मुआवजा राशि को लेकर कोई सवाल उठ रहे हैं तो उनकी जांच कराई जाएगी। जांच में यदि कहीं अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि जिन प्रभावितों को मुआवजा निर्धारण को लेकर आपत्ति है, उनकी शिकायतें सुनी जा रही हैं। नजूल भूमि पर किए गए निर्माण के मुआवजे को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई है। एसडीएम गोपाल सोनी के अनुसार प्रभावितों को नजूल भूमि का मुआवजा नहीं दिया गया है, बल्कि उस भूमि पर किए गए निर्माण का मुआवजा निर्धारित किया गया है। हालांकि प्रभावित इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं और मुआवजे की पूरी गणना तथा भुगतान का आधार लिखित रूप में सामने आने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल धरना जारी है और प्रभावितों ने साफ किया है कि पारदर्शिता तथा अपनी आपत्तियों का संतोषजनक निराकरण होने के बाद ही आंदोलन समाप्त करने पर विचार किया जाएगा। गौरतलब है कि भटेरा रेलवे ओवरब्रिज का भूमिपूजन 20 अप्रैल 2023 को किया गया था, जबकि निर्माण कार्य करीब एक साल बाद शुरू हो सका। परियोजना को अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाना था, लेकिन तय समयसीमा बीतने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा है। ओवरब्रिज की लंबाई 1313 मीटर और चौड़ाई लगभग 8.4 मीटर निर्धारित है। रेलवे लाइन के ऊपर बनने वाले हिस्से को छोड़कर राज्य सरकार की सेतु एजेंसी को करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से 42 पिलर तैयार करने हैं, लेकिन अब तक केवल आठ पिलर ही बन पाए हैं।

## किसान गर्जना संगठन ने मनाया 15वां स्थापना दिवस

### भगवान बलराम की पूजा-अर्चना कर संगठन की मजबूती और किसान हित का किया आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों के हक, अधिकार और सम्मान के लिए संघर्षरत किसान गर्जना संगठन ने बुधवार, 18 नवंबर को अपना 15वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बलराम की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस दौरान संगठन की मजबूती, किसानों की खुशहाली और उनके अधिकारों की लड़ाई को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने शामिल होकर 15 वर्षों की संघर्ष यात्रा, उपलब्धियों और किसान हितों के लिए किए गए प्रयासों को याद किया। इस अवसर पर चंदन बोपचे, बस्तराम परिहार, धनीराम हनवत, डीपलाल परिहार, पुनाराम चौहान, नारायण प्रसाद यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।स्थापना दिवस समारोह के दौरान संगठन मंत्री रूपचंद बिसेन उर्फ अन्ना ने प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी को किसान हितों के प्रति समर्पण, नेतृत्व क्षमता और संगठन के लिए निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने पर सम्मानित किया। उन्हें स्मृति तस्वीर भेंट की गई। इसी क्रम में लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे को भी संगठन के प्रति निष्ठा और सक्रिय योगदान के लिए, जय किसान नवरत्न सम्मान प्रदान कर स्मृति तस्वीर भेंट की गई।




#### संघर्ष जारी रहेगा- अरविंद

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि किसान गर्जना संगठन के 15 वर्ष केवल संगठन की यात्रा नहीं, बल्कि किसानों के अधिकार, स्वाभिमान और सम्मान के लिए किए गए संघर्ष की कहानी है। संगठन ने हमेशा किसानों की आवाज बुलंद की है और आगे भी किसानों के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहेगा।उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए संगठन का संघर्ष जारी रहेगा। जब तक किसानों को उनका हक नहीं मिलता, तब तक किसान गर्जना संगठन को आवाज थमने वाली नहीं है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित संस्थापक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने संगठन को एकजुटता बनाए रखने और किसान हितों की लड़ाई को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।स्थापना दिवस के माध्यम से संगठन ने किसानों को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संदेश दिया।

## पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे युवक ने किया कीटनाशक का सेवन-जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी कुम्हारी में पत्नी को लेने पहुंचे एक युवक ने सास और साली द्वारा पत्नी को साथ भेजने से मना करने पर मानसिक तनाव में आकर कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर युवक स्वयं मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा। युवक राहुल दमाहे पिता प्रहलाद दमाहे 25वर्ष ग्राम कायदी थाना वारासिवनी निवासी हैं जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल दमाहे वेल्डिंग का काम करता है और इसके अलावा वह परिवार के साथ खेती-किसानी भी करता है। उसकी पत्नी कविता दमाहे दीपावली के पहले अपने मायके ग्राम छोटी कुम्हारी चली गई थी।बताया जाता है कि 18 नवंबर को दोपहर में राहुल अपनी पत्नी को लेने ससुराल छोटी कुम्हारी पहुंचा था। शाम करीब 5:30 बजे राहुल की सास सैवंती नगपुरे और साली सविता ने कविता को उसके साथ भेजने से मना कर दिया। जबकि कविता राहुल के साथ जाने के लिए तैयार थी। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। पत्नी को साथ नहीं भेजने से आहत राहुल ने मानसिक तनाव में आकर कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया हवा का सेवन करने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने पर राहुल स्वयं मोटरसाइकिल चलाकर जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचा। वहां उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने युवक के बयान दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण कोतवाली थाना भेज दिया है।



# आस-पास की खबरें

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड लालबर्रा का 3 दिवसीय 'प्रारंभिक शिक्षा वर्ग' का प्रशिक्षण 22 से

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिला बालाघाट के अंतर्गत खंड लालबर्रा द्वारा 'प्रारंभिक शिक्षा वर्ग 2026' का आयोजन किया जा रहा है। संघ कार्य के विस्तार, दृढ़ीकरण तथा कार्यकर्ताओं के कौशल एवं गुणात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 22 नवंबर को दोपहर से प्रारंभ होगा, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। वर्ग में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खंड लालबर्रा के पदाधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि 22 नवंबर से तीन दिवस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खंड लालबर्रा का प्रारंभिक शिक्षा वर्ग 2026 का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस वर्ग में लालबर्रा एवं समनापुर खंड तथा बालाघाट नगर के सभी अपेक्षित स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। वर्ग में सम्मिलित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 15 वर्ष से ऊपर के सभी स्वयंसेवक उपस्थित होंगे और इसका शुल्क भी निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रशिक्षण वर्ग में आने वाले स्वयं सेवकों के लिए पूर्ण गणवेश अनिवार्य किया गया है, जिसमें सफेद कमीज (फुलबांह की), संघ का पतलून, काली टोपी, लंगोट, पट्टा (बेल्ट), काले जूते फीतेदार, मोजा और कंधे के बराबर दण्ड शामिल है। इसके अलावा स्वयंसेवकों को अपने साथ मौसम अनुकूल बिस्तर, ओढ़ने-बिछाने की सामग्री सहित अन्य सामग्री लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। श्री अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ कार्य के विस्तार व दृढ़ीकरण में उत्साहपूर्वक सक्रिय होंगे और कार्यकर्ता के कौशल एवं गुणवत्ता विकास हेतु प्रत्येक स्तर पर प्रशिक्षण हमारे कार्य पध्दति का अंग है। इस अवसर पर संघ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील श्री अग्रवाल ने की है।

## आमाटोला (पांढरवानी) में दिन-रात का मेला 30 को

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला स्थित पावर हाउस के समीप बैल बाजार चावड़ी परिसर में आगामी 30 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति सचिव मिथुन बोरकर ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 30 नवंबर को पावर हाउस के समीप बैलबाजार चावड़ी परिसर में दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सचिव मिथुन बोरकर ने की है।

# यात्री बस में अचानक ब्रेक लगने से महिला घायल, पैर में लगे 13 टांके






## बकोड़ा के समीप हुआ हादसा, घायल महिला ने चालक पर लगाया मदद न करने का आरोप, अस्पताल में उपचार जारी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

**नगर मुख्यालय के लालबर्रा से बालाघाट मुख्य मार्ग पर स्थित बकोड़ा के समीप एक यात्री बस में चढ़ने के दौरान चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाये जाने से महिला अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में महिला के पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। महिला के पैर में 13 टांके लगे हैं और डॉक्टरों द्वारा पैर में फ्रैक्चर होने की संभावना भी जताई जा रही है।**

### कंडक्टर के निर्देश पर पीछे जाते वक्त हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगा घोटी निवासी 58 वर्षीय श्रीमती प्रमिला मर्सकोले बुधवार की सुबह करीब 10 बजे बकोड़ा से लालबर्रा आने के लिए यात्री बस में सवार हुई थी। बस में बैठने के बाद कंडक्टर ने उन्हें पीछे की ओर जाने के लिए कहा। जब वे अपनी सीट से पीछे की तरफ जा रही थी। उसी दौरान अचानक बस का संतुलन बिगड़ा या चालक ने ब्रेक लगा दिया, जिससे वे बस के पायदान (सीढ़ी) के पास आ गई और अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट व गहरा घाव हो गया। यदि महिला बस से नीचे सड़क पर गिर जाती, तो एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था। जिसके बाद बस में उपस्थित यात्रियों ने बस रोकने के लिए आवाज लगाये उसके बाद बस रुकी और अन्य यात्रियों बस स्टैण्ड पहुंची। जहां एक व्यक्ति ने महिला की मदद कर उसे नीचे उतारा किन्तु बस चालक मदद करने बिना ही वह से चले गया, जिससे अन्य यात्रियों में चालक के प्रति रोष देखा गया। वही घायल महिला श्रीमती प्रमिला मर्सकोले ने आरोप लगाया है कि हादसे के बाद बस चालक बिना किसी प्रकार की सहायता किये मौके से वाहन लेकर चला गया। इसके बाद एक अन्य सहयात्री ने आगे आकर उनकी मदद की और उन्हें अस्पताल तक पहुंचाया।

### यात्रियों की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

यात्रीगण एवं जागरूक नागरिकों का कहना है कि अक्सर बस चालकों और कंडक्टर्स द्वारा जल्दबाजी में जगह-जगह सवारियां बैठाने के चक्कर यात्रियों के अपनी सीट पर सुरक्षित बैठने से पहले ही बस शुरू कर दी जाती है। ऐसी लापरवाही के चलते चलती बस में यात्रियों का संतुलन बिगड़ने और उनके गिरने का खतरा हर समय बना रहता है। यात्रियों एवं जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बस संचालकों और चालकों को सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करवाना चाहिए, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। फिलहाल घायल महिला का उपचार लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जारी है। चर्चा में घायल महिला ने बताया कि बकोड़ा से लालबर्रा बस से आ रही थी, बस में चढ़ने के बाद कंडक्टर के द्वारा पीछे जाने के लिए कहा गया, जिसके बाद मैं पीछे की सीटों की ओर जा रही थी। तभी बस का संतुलन बिगड़ने या ब्रेक लगाने से मैं अनियंत्रित हो गई और सीढ़ी (पायदान) के खुले हिस्से व उसकी धारदार बनावट में टकरा गई, जिससे पैर कट गया है और 13 टांके लगे है। श्रीमती मर्सकोले ने बताया कि बस चालक ने कोई मदद नही की बल्कि बैंक के बाबू एवं अन्य लोगों ने मदद की और अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार जारी है, पैर में दर्द बना हुआ है।

# महाविद्यालय में तीन दिवसीय जननायक भगवान बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम का हुआ समापन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत गत दिवस से जारी तीन दिवसीय जननायक भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती कार्यक्रम का समारोहपूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुण्डा जी की गौरव गाथा एवं देश के प्रति जनजातीय नायकों के योगदान को स्मरण करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वही महाविद्यालय में जिला धार के वेबकास्ट के माध्यम से जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रसारित किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भिमटे ने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुण्डा जी के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं आदिवासी समाज के उत्थान में उनके योगदान को बताया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।







# मेरा युवा भारत ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

## खिलाड़ियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ, चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में होंगे शामिल





**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** जिला माय भारत बालाघाट द्वारा एवं जिला खेल व युवा कल्याण विभाग के सहयोग से विकासखंड लालबर्रा में नशा मुक्ति फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, जिला युवा अधिकारी प्रांजल अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित खेल प्रतियोगिता में व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। जिसमें व्यक्तिगत स्पर्धाओं में 100 मीटर दौड़ महिला वर्ग, 200 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग, गोला फेंक, बोरा दौड़, सामूहिक खेल प्रतियोगिता में रस्साकसी, खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही खिलाड़ियों ने उक्त खेल में बढ़ चढ़कर भाग लेकर खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आगामी समय में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेंगें। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नशा मुक्त भारत के संदेश से जोड़ना था। इस दौरान उपस्थित खिलाड़ियों एवं नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा समाज के अन्य लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ भी दिलवाई गई। वहीं कार्यक्रम की संबोधित करते हुए जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में यह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक कदम है। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और मानसिक दृढ़ता का विकास भी करते हैं, जो एक स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के लिए अति आवश्यक है। जिला युवा अधिकारी प्रांजल अग्रवाल ने कहा कि खेलों का महत्व दैनिक जीवन दिनचर्या में बहुत ही आवश्यक है। नशे से दूर रहकर हम अपने एवं अच्छे समाज की कल्पना कर सकते हैं। तभी हमारा देश विकसित एवं समृध्द बनेगा और लोगों में एक नई ऊर्जा एवं जागरूकता का संचार होगा। वहीं ब्लॉक खेल समन्वयक लव पटेल ने कहा कि नशा मुक्त समाज का संदेश खेलों के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया जा रहा है कि एक सशक्त और विकसित राष्ट्र का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब हमारी युवा पीढ़ी नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक होकर शिक्षा के साथ-साथ खिलाड़ी और अपना भविष्य बनायेंगे। इस अवसर पर स्वाति दमाहे, रंजीता गाड़ेश्वर, ब्लॉक यूथ वॉलिंटियर लालबर्रा, लव पटेल नगपुरे खेल विभाग, राधिका नायक पीटीआई, ब्रजेश पंचेश्वर कोच लालबर्रा, विकाश चौबे, शुभम बिसेन, साक्षी दांदरे, नव्या दांदरे, रवि पंचेश्वर, समीर, विवेक, खुशी, मोक्षा, सुहाना, बंटी राठी सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

# राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेगी लालबर्रा की साक्षी कांवड़े

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा की होनहार छात्रा साक्षी कांवड़े का चयन 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए प्रतिनिधित्व करेंगी। यह राज्य स्तरीय स्पर्धा 18 नवंबर से 23 नवंबर तक ग्वालियर में आयोजित की जा रही है। वहीं गामलाल कांवड़े एवं संगीता कांवड़े की सुपुत्री साक्षी कांवड़े वर्तमान में समपंण के दम पर उन्होंने संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय टीम में अपना स्थान प्राप्त किया है। साक्षी कांवड़े विद्यालय के पीटीआई डॉ. छतरसिंह ठाकरे, खेल एवं युवा कल्याण विभाग लालबर्रा के ब्लॉक समन्वयक लव पटेल के कुशल मार्गदर्शन में नियमित रूप से हॉकी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए ग्वालियर रवाना होने से पूर्व विद्यालय के प्राचार्य सनतकुमार दुबे ने साक्षी को तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर अपनी शुभकामनाएं दीं और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। साक्षी कांवड़े की इस उपलब्धि पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, खेल प्रेमियों और समूचे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में कक्षा 12 वीं (कला संकाय) की नियमित छात्रा हैं। अपनी लगन और खेल के प्रति विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।



हुआ है। साक्षी अंडर - 19 वर्ष बालिका वर्ग की हॉकी प्रतियोगिता में बालाघाट जिले एवं जबलपुर संभागीय दल का

## पवारीटोला बुट्टा ह. में दिन-रात की मंडई कल

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बुट्टा ह. के ग्राम पवारीटोला में 20 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति अध्यक्ष दीनदयाल पटले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 20 नवंबर को रात 9 बजे से दुध्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें कायदी वारासिवनी की शाहिर श्रीमती कामिनी दिघोरे, एवं पातगांव किरनापुर की शाहिर श्रीमती दयवंती गड़पेले के मध्य जंगी मुकाबला रखा गया है। जिनके द्वारा सुमधुर स्वरों में शायरी की प्रस्तुतियां दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई समिति पवारीटोला बुट्टा ह. के अध्यक्ष दीनदयाल पटले, उपाध्यक्ष रेखलाल ठाकरे, सचिव मुन्नालाल टैभरे, कोषाध्यक्ष अशोक ठाकरे, डॉ. हिरालाल डांडे, कोमल डोरस सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

## नगपुरा में छत्तीसगढ़ी स्टार नाईट कार्यक्रम 20 को

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा में 20 नवंबर को ग्यारस मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारंपरिक एवं भव्य 'ग्यारस मंडई' का 20 नवंबर को का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें प्रसिध्द छत्तीसगढ़ी स्टार नाईट - मनमोहनी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। इस कार्यक्रम में सुप्रसिध्द छत्तीसगढ़ी गायक प्रकाश सागर एवं गायिका आलिया अपनी सुमधुर आवाज और शानदार प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।







# स्कूल और आगंनवाडी एक हीं कमरे में संचालित होने से पालको में आक्रोश

## भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने पर भी नही बना स्कुल भवन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।**
**वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खुदबुदा के हुड़कीटोला स्थित प्राथमिक शाला पिछले करीब पांच वर्षों से भवनविहीन है। वर्ष २०२१ में जर्जर होने के कारण पुराने स्कूल भवन को ध्वस्त कर दिया गया था। जिसके बाद से विद्यालय का संचालन परिसर स्थित आंगनवाड़ी के एकमात्र कमरे में किया जा रहा है। यहां कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के साथ आंगनवाड़ी के बच्चे भी बैठकर अध्ययन करते हैं। ऐसे में स्कूल भवन निर्माण की स्वीकृति कागजों तक ही सीमित रह गई है और नौनिहालों को अव्यवस्थाओं के बीच शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है।**

### जर्जर होने पर ध्वस्त किया गया था स्कूल भवन

प्राप्त जानकारी के अनुसार हुड़कीटोला में प्राथमिक शाला का संचालन किया जाता है। यह स्कूल का भवन वर्ष २०२१ के आसपास अत्यधिक जर्जर होने के कारण उसे डिस्मेंटल कर ध्वस्त कर दिया गया।इसके बाद से विद्यालय का संचालन परिसर में स्थित आंगनवाड़ी भवन के एकमात्र कमरे में किया जा रहा है। शुरुआत में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में शुरू हुआ यह इंतजाम अब करीब पांच वर्ष बाद भी जारी है। जिला पंचायत बालाघाट के माध्यम से करीब चार वर्ष पूर्व नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। लेकिन निर्माण के लिए आवश्यक राशि का आवंटन अब तक नहीं हो पाया है। नतीजतन भवन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका और विद्यार्थी आज भी वैकल्पिक व्यवस्था में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत और कलेक्टर तक शिकायत की जा चुकी है लेकिन समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शीघ्र राशि आवंटित कर नवीन स्कूल भवन का निर्माण प्रारंभ कराने की मांग की है ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

### एक ही कमरे में स्कूल और आंगनवाड़ी का संचालन

विडंबना यह है कि आंगनवाड़ी भवन के एक ही छोटे से कमरे में प्राथमिक शाला की कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के साथ आंगनवाड़ी के बच्चे भी बैठते हैं।सीमित जगह में अलग अलग कक्षाओं के बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ाई कराना शिक्षकों के लिए भी चुनौती बना हुआ है। बच्चों की बैठक व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण पठन पाठन प्रभावित होने की स्थिति बनी रहती है। वहीं आंगनवाड़ी केंद्र में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं से संबंधित गतिविधियां और विभिन्न विभागीय कार्यक्रम भी समय समय पर आयोजित होते हैं जिससे एकमात्र कमरे की उपलब्धता और उपयोग को लेकर परेशानी बढ़ जाती है। वहीं इस भवन की स्थिति भी धीरे धीरे खराब होती जा रही है।

### स्कूल भवन जर्जर होने से एक ही कमरे में स्कूल और आंगनवाड़ी लग रही-ओपल राहगंडाले

ग्रामीण ओपल राहगंडाले ने बताया कि स्कूल जर्जर होने से सत्र २०२१ में ध्वस्त कर दिया गया आंगनवाड़ी के एक कमरे में स्कूल और आंगनवाड़ी लग रही है। समय पर स्कूल भवन तोड़ दिया गया अन्यथा वह गिर सकता था अब आंगनवाड़ी भवन भी सिपेज आने लगा है बारिश में सभी ने देखा है। स्कूल भवन की स्वीकृति ४ वर्ष पहले मिली थी अभी तक राशि नहीं आई है इसके लिए १८१ पर भी शिकायत किये थें कुछ हुआ नहीं एक रूम में सभी बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षा प्रभावित हो रही है क्योंकि आंगनवाड़ी के भी अपने कार्यक्रम होते हैं एक तरफ सरकार शिक्षा पर ध्यान देने बोलती है और यहां पर खुद ध्यान नहीं दे रही है। इसको शिकायत पालकों ने कई बार किया हैं कुछ नहीं हुआ हम यही चाहते कि जल्द निर्माण हो नए सत्र में बच्चों को उनका स्कूल मिले।

### आंगनवाड़ी और स्कूल एक ही कमरे में संचालित होने से बच्चों की पढाई प्रभावित हो रही है-वंदना मेश्राम

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना मेश्राम ने बताया कि आंगनवाड़ी और स्कूल एक ही कमरे में संचालित हो रहा है थोड़ी तकलीफ तो होती है। एक कमरे में पूरे बच्चे बैठे हैं पढ़ाई करवाने में भी समस्या होती है क्योंकि हमारे छोटे बच्चे हैं जिन्हें अनौपचारिक शिक्षा देनी होती है। वहीं मंगलवार को गर्भवती महिला धात्री महिलाएं भी आती है विभागीय कार्यक्रम भी हमें करने होते हैं बैठने उठने में अव्यवस्था बनी रहती है स्कूल भवन २०२१ से नहीं है।

### अव्यवस्था के बीच दी जा रही बच्चों को शिक्षा-शारदा राणा

प्राथमिक शिक्षिका शारदा राणा ने बताया कि यहां पर बहुत ज्यादा अव्यवस्था के बीच एक कमरे में आंगनवाड़ी के साथ स्कूल की कक्षा १ से ५वीं तक के बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। जिससे बार बार व्यवधान उत्पन्न होता रहता है आंगनवाड़ी के अपने कार्यक्रम भी होते हैं जो सप्ताह में होते हैं। स्कूल की अभी बिल्डिंग नहीं है ५ वर्ष करीब हो गया यहां पर लग रही है बच्चों का बहुत ज्यादा हल्ला होता है सुचारू शिक्षा बाधित होती है। हालांकि भवन की स्वीकृति मिली है पर राशि अप्राप्त बताई जा रही है।

### इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि हुड़कीटोला प्राथमिक स्कूल का भवन जर्जर होने से उसे तोड़ा गया था। भवन निर्माण की स्वीकृति तो मिल चुकी थी परंतु वित्तीय स्वीकृति की स्पष्ट जानकारी नहीं हैं इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जायेगी।

**सतेन्द्र शरणागत**
**बीआरसी वारासिवनी**

# भाजपा सरकार किसानो और मजदूरों पर हमेशा जुल्म करते आ रही है-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। ग्रामीण अंचलों में दीपावली पर्व के बाद मंडई मेले का आयोजन किया जाता है। जिससे गांवों में उत्साह उमंग और हर्षोल्लास का वातावरण बना रहता है। मंडई मेला हमारी ग्रामीण संस्कृति,परंपरा और आपसी भाईचारे का प्रतीक है ऐसे आयोजनों के लिए हमारे विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामों में लोग इंतजार करते हैं। मान्यता यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग किसानी कार्य से समाप्त होने के उपरांत दीपावली व बाद में मंडई मेले के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में आपसी संबंध एवं भाईचारे को मजबूत बनाने में विश्वास करते हैं। जिसमें ग्रामा ,डंडार,दुध्यम शाखरी,छत्तीगढी नृत्य,देवी जागरण के कार्यक्रम के चलते ग्रामीण परिवेश में लोग मनोरंजन करते है और बढ.चढकर लोग हिस्सा लेते हैं। गाँव में ऐसे कार्यक्रम होने से एकता बनी रहती है। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम पंचायत आलेझरी, बकेरा, उमरवाडा, मेंहदीवाड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल,जीतू राजपूत, राजकुमार चौधरी, इशूलाल परते, चिंटू जैन, रूपेंद्र सोनेकर, संदेश बिसेन,शिवाजी पुंजाम ,मुदित अग्रवाल,प्रशांत टेकाम सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।विधायक विवेक पटेल ने कहा कि देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ भाजपा को चुना था। लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा ने जनता की उम्मीदों को तोड़ दिया। मैं सबसे पहले विधायक नहीं बल्कि एक किसान का बेटा हूं, लिहाजा मैं किसान भाइयों की लड़ाई लड़ने के लिए कभी पीछे नहीं हटूंगा। प्रदेश की भाजपा सरकार ने हमेशा किसानों के साथ झूठे वादे किए हैं कभी भी अपने वादों को पूरा नहीं किया। भाजपा सरकार किसानो मजदूरों पर जितना जुल्म करेगी किसान मजदूर उतना ही मजबूत होकर सरकार का विरोध करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर तब ऊपर उठेगा जब क्षेत्र में सड़कों की हालात ठीक रहेगी। सड़क चाहे पीडब्ल्यूडी की हो या प्रधानमंत्री सड़क विभाग की,हालात लगभग एक जैसे हैं। प्रदेश में खराब सड़कों के कारण नागरिक परेशान होते हैं। कांग्रेस पार्टी कभी किसानों से झूठे वादे नहीं करती है। कांग्रेस सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने हजारों किसानों का कर्ज माफकिया। मगर ये भाजपा किसानों का कर्ज तो माफ नहीं कर सकी बल्कि कई किसानों को ऊल्टा कर्ज में डुबो दिया।




# जनसेवा सामाजिक समरसता और खेल भावना के विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए -प्रदीप जायसवाल

## गर्रा में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई




पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान ग्राम गर्राटोला में भगवान बिरसा मुंडा जयंती समारोह,नगर पालिका परिषद में जनसुनवाई ,ग्राम चिचोली कन्हडगांव में क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में सहभागिता की। नगर पालिका में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे ने नगर के नागरिकों की विभिन्न जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद के स्थायी कर्मचारी गुड्डू सेन्द्रे का अचानक निधन हो गया था जिसके बाद उनके पुत्र ब्रजेन्द्र सेन्द्रे की अनुकंपा नियुक्ति का प्रमाण पत्र पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं नपाध्यक्ष के हस्ते प्रदान किया गया। ग्राम पंचायत गर्रा के ग्राम गर्राटोला में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समाज की बालिकाओं के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। श्री जायसवाल ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया तथा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर समस्त आदिवासी समाज को शुभकामनाएं प्रेषित की। भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान आदिवासी क्रांतिकारी समाज सुधारक और लोकनायक थे। जल जंगल व जमीन के अधिकारों तथा जनजातीय समुदाय के अधिकारों की अस्मिता की रक्षा के लिए किए गए उनके संघर्ष के कारण लोग उन्हें आदर से धरती आबा पृथ्वी के पिता और भगवान मानते हैं। इस टूर्नामेंट में पहले बैटिंग करते हुए चिचोली के क्रिकेटरों ने पिंडकेपार के लिए ८ ओवर में ७९ का लक्ष्य रखा। वहीं पिंडकेपार ने आसानी से दिए गए लक्ष्य को हासिल कर लिया और टूर्नामेंट की ट्राफी को जीत लिया। ग्राम पंचायत चिचोली कन्हडगांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विजेता पिंडकेपार टीम एवं उपविजेता चिचोली टीम को पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में ग्रामीण जनप्रतिनिधियों,आयोजन समिति के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों तथा खिलाड़ियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर भाऊलाल उइके, जवाहर वट्टी, टोपसिंह उइके, परसराम उइके, गोंसन उइके, सुनील मर्सकोले,भागचंद कुडवेती, गणेश मडावी,श्रीमती रितु सुरेंद्र मडावी,श्रीमती योगेश्वरी अहाके,श्रीमती सीमा कोडापे, श्रीमती दुर्गेश्वरी आडे,जितेंद्र आडे,विनोद मिश्रा ,अनिल दमाहे,श्रीमती गायत्री डूलेश्वर डायरे,श्रीमती कलाबाई मारुति दमाहे, श्रीमती पुस्तकला हेमराज फुलके,श्रीमती कविता मेश्राम,श्रीमती कृष्णा आडे ,सदाशिव मोहतूरे, दयानंद दमाहे, रोहित लिल्हारे,धनलाल लिल्हारे, राजू टेंभरे,पुष्पेंद्र पटले,डुलेश डायरे, राजेश तितरमारे,धनेन्द्र दमाहे उपस्थित रहे।

# ऐरडेले तेली समाज संगठन की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। गांधी बाल उद्यान के पीछे सामुदायिक भवन में जिला ऐरडेले तेली समाज संगठन की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समाज के वरिष्ठ नागरिकों, पदाधिकारियों एवं समाजजनों की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। जिसमें सामाजिक उन्नति, शिक्षा के प्रसार और आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान समाज के विकास एवं संगठन को मजबूत बनाने सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। वहीं संत शिरोमणि जगनाडे महाराज की जिला स्तरीय भव्य जयंती मनाए जाने को लेकर विशेष रूप से विचार विमर्श कर आयोजन की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनाई गई। समाजजनों ने बताया कि बैठक का प्रमुख उद्देश्य जयंती महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा करने के साथ ही पूर्व में लिए गए निर्णयों एवं किए गए कार्यों की समीक्षा करना तथा आगामी समय में किए जाने वाले सामाजिक कार्यों की योजना बनाना था। इस दौरान समाज के बालक बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के विषय पर भी विशेष जोर दिया गया। संगठन के द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज का प्रत्येक परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराए जिससे वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और क्षेत्र का नाम रोशन कर सके। इसके लिए समाजजनों को जागरूक एवं प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।बैठक में आगामी समय में संत जगनाडे महाराज की जिला स्तरीय जन्म जयंती को भव्य एवं गरिमामय स्वरूप में आयोजित करने के साथ ही अन्य सामाजिक आयोजनों को लेकर भी चर्चा की गई। समाज के वरिष्ठजनों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखने सामाजिक गतिविधियों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।



# आवारा मवेशियों की लड़ाई से बाल बाल बचे बाइक सवार, नाली में घुसी मोटरसाइकिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वालाघाट रोड़ स्थित पसीने भवन के पास आवारा मवेशियों की आपसी लड़ाई के चलते बड़ा हादसा टल गया। सड़क पर अचानक दो मवेशियों के लड़ने से यातायात प्रभावित हो गया। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग उनकी चपेट में आने से बचने के प्रयास में सड़क किनारे चले गए जिससे उनकी बाइक नाली में जा घुसी। गनीमत रही कि तीनों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के विभिन्न मार्गों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगातार बना हुआ है। आए दिन मवेशियों की आपसी लड़ाई और सड़क पर विचरण करने से वाहन चालकों एवं राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना के दौरान सड़क से गुजर रहा एक भारी ट्रक मवेशियों की लड़ाई के कारण रुक गया जबकि एक स्कूटी चालक उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित



किसी तरह निकल गया। इसी बीच पीछे से आ रहे मोटरसाइकिल सवार तीन व्यक्तियों ने मवेशियों से बचने का प्रयास किया लेकिन होकर नाली में जा घुसी। इसके बाद दोनों मवेशी वहां से गली की ओर चले गए। नगर में इस तरह की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। हालांकि नगर पालिका के द्वारा हाका गैंग एवं एनिमल कैचर के माध्यम से समय समय पर आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही की जाती है। लेकिन इसके बावजूद समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रही है। नगरवासियों ने नगर पालिका से आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला अथवा कांजी हाउस में पहुंचाने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके।

### इनका कहना हैं

इस प्रकार की स्थिति हैं तो जल्द आवारा मवेशीयों को पकड़ने की कार्यवाही की जायेगी।

**सूर्य प्रकाश उर्के**
**सीएमओ नगर पालिका वारासिवनी**

# बंगाल की खाड़ी में 13 साल बाद मौसम का बड़ा बदलाव

प्रकृति का मिजाज कब बदल जाए, इसका अनुमान लगाना हमेशा आसान नहीं होता। कभी तेज गर्मी और कभी बेमौसम बारिश तो कभी अचानक आने वाले तूफान जनजीवन को प्रभावित कर देते हैं। इन दिनों बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया मौसमी सिस्टम इसी बदलते मौसम की एक बड़ी चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में तीन सप्ताह के भीतर तीसरा चक्रवाती तूफान बनने की आशंका जताई गई है। यदि यह सिस्टम चक्रवाती तूफान का रूप लेता है तो इसे अकवान नाम दिया जा सकता है। खास बात यह है कि करीब 13 साल बाद इतनी कम अवधि में बंगाल की खाड़ी में लगातार तीन चक्रवाती तूफान बनने की स्थिति सामने आ रही है। मौसम में इस असामान्य बदलाव ने मौसम वैज्ञानिकों के साथ-साथ तटीय राज्यों की सरकारों की चिंता भी बढ़ा दी है। बंगाल की खाड़ी में रविवार को एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होकर डिप्रेशन में बदल गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह सिस्टम आगे बढ़ते हुए सोमवार तक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है और 17 नवंबर तक इसकी तीव्रता गंभीर चक्रवाती तूफान जैसी हो सकती है। फिलहाल इसका सटीक रास्ता और समुद्र तट से टकराने का स्थान तय नहीं हुआ है। अगले 24 घंटों में इसकी दिशा और प्रभाव को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट होने की संभावना है। इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2013 में भी बंगाल की खाड़ी में नवंबर और दिसंबर के दौरान लगातार चक्रवाती गतिविधियां देखने को मिली थीं। उस वर्ष 19 नवंबर को हेलेन, 23 नवंबर को लहर और 6 दिसंबर को माडी नाम के तूफान बने थे। इससे पहले अक्टूबर में फाइलिन तूफान ने भी इसी क्षेत्र में दस्तक दी थी। इस तरह कुछ ही महीनों में चार बड़े तूफानों का बनना मौसम के लिहाज से असामान्य घटनाक्रम था। अब 13 साल बाद एक बार फिर कम समय में लगातार तूफान बनने की आशंका ने मौसम के बदलते स्वरूप पर चर्चा शुरू कर दी है। बंगाल की खाड़ी में बनने वाले चक्रवाती तूफानों का प्रभाव केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहता। इनका असर तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ अंदरूनी इलाकों में भी देखने को मिलता है। तेज हवाएं, भारी बारिश, समुद्र में ऊंची लहरें और निचले क्षेत्रों में पानी भरने जैसी समस्याएं आम जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं। विशेष रूप से मछुआरों, किसानों, छोटे व्यापारियों और समुद्र के किनारे रहने वाले परिवारों के लिए ऐसे तूफान बड़ी चुनौती बन जाते हैं। कई बार खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो जाती है और बिजली, सड़क तथा संचार व्यवस्था भी प्रभावित होती है। संभावित तूफान को देखते हुए ओडिशा सरकार ने सभी जिलों में सतर्कता जारी कर दी है। तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में बचाव तथा राहत की तैयारियां शुरू की जा रही हैं। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को भी मौसम विभाग ने सावधान रहने की सलाह दी है। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि समय रहते लोगों तक सही सूचना पहुंचे और किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। समुद्र में जाने वाले मछुआरों को मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करना चाहिए। समुद्र में पहले से मौजूद नावों को सुरक्षित स्थानों पर लौटने की सलाह दी जानी चाहिए। ऐसे समय में आम नागरिकों की जागरूकता भी बहुत जरूरी है। तूफान आने से पहले घरों की छत, खिड़कियों और दरवाजों की जांच कर लेनी चाहिए। घर के बाहर रखे गमले, कुर्सियां, टीन और दूसरी हल्की वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए, ताकि तेज हवा में वे किसी के लिए खतरा न बनें। घर के आसपास सूखी और कमजोर शाखाओं वाले पेड़ों पर भी ध्यान देना चाहिए। बिजली की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, पीने का साफ पानी, सूखा भोजन और जरूरी दवाइयां पहले से रखनी चाहिए।

# हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक महाफैसला!

## धारा 6 और तमिलनाडु की धारा 29-ए की दलील भी नहीं आई काम!

वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और पारिवारिक संस्कृति में संयुक्त परिवार व्यवस्था का सदियों से विशेष स्थान रहा है। दादा परिवार के मुखिया,पिता परिवार की जिम्मेदारियों के वाहक और पोती-पोते परिवार की भावी पीढ़ी के प्रतीक माने जाते रहे हैं।संयुक्त परिवार में संपत्ति केवल आर्थिक संसाधन नहीं,बल्कि पीढ़ियों की विरासत,पारिवारिक सम्मान और आपसी विश्वास का प्रतीक भी रही है।लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश, डिजिटल युग की नई पीढ़ी की स्वतंत्र सोच,पारिवारिक हस्तक्षेप, संपत्ति के बढ़ते बाजार मूल्य और आपसी मतभेदों के कारण संयुक्त परिवारों में संपत्ति विवाद लगातार कानूनी चुनौती बनते जा रहे हैं।अनेक विवाद निचली अदालतों से होते हुए उच्च न्यायालयों और अंततः सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच रहे हैं। इसी महत्वपूर्ण कानूनी परिप्रेक्ष्य में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि 6 नवंबर 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसा फैसला सुनाया है,जिसने दादा से पिता को विरासत में मिली संपत्ति पर पोते के जन्मसिद्ध अधिकार के सवाल को नई कानूनी स्पष्टता प्रदान की है।अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के अंतर्गत पिता को प्राप्त संपत्ति केवल इस कारण संयुक्त हिंदू परिवार की पैतृक संपत्ति नहीं बन जाती कि वह उसके पिता अर्थात पोते के दादा से विरासत में मिली है।इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह परिवारों में संपत्ति के स्वामित्व, उत्तराधिकार और सहदायिकी अधिकारों के बीच अंतर को समझने का अवसर देता है।इस ऐतिहासिक निर्णय का नाम है जे .राजेश (माइनॉर) थ्रू हिज मदर एंड नेचुरल गार्डियन जे.गोमाथी वर्सेज. एम.कुमारण(डेड) थ्रू एलआर एस एंड ऑदर्स न्यूट्रल साइटेशन-2026आइएनएससी 1208 अपील संख्या- सिविल अपील नों. 7020 श्द्ध 2012 पीठ-न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह एवं न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, निर्णय लिखने वाली न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल परिणाम = अपील खारिज,मद्रास हाईकोर्ट का निर्णय बरकरार।यह निर्णय केवल किसी एक परिवार के संपत्ति विवाद का निपटारा नहीं है,बल्कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत विरासत में मिली संपत्ति और पारंपरिक सहदायिकी संपत्ति के बीच अंतर को पुनः स्थापित करता है। इस मामले में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल संपत्ति का मूल स्रोत दादा होना, उसे पोते के लिए स्वतः जन्मसिद्ध अधिकार वाली संपत्ति नहीं बना देता। सुप्रीम कोर्ट ने सभी प्रकार की पैतृक संपत्ति में पोते का अधिकार समाप्त नहीं किया है। निर्णय का वास्तविक केंद्र धारा 8 के अंतर्गत प्राप्त व्यक्तिगत विरासत और संयुक्त सहदायिकी संपत्ति के बीच कानूनी अंतर है। साथियों बात अगर हम हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 का असली अर्थ क्या है? इसको समझने की करें तो,इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी धुरी हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 है। यह धारा उस स्थिति में लागू होती है जब किसी हिंदू पुरुष की मृत्यु बिना वसीयत किए हो जाती है। ऐसी स्थिति में उसकी संपत्ति कानून में निर्धारित उत्तराधिकारियों के क्रम के अनुसार हस्तांतरित होती है। इसमें प्रथम श्रेणी अर्थात क्लास-ड्ड के उत्तराधिकारियों में पुत्र, पुत्री, विधवा और माता सहित अन्य निर्धारित उत्तराधिकारी शामिल हैं।यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है। यदि मृतक का पुत्र जीवित है तो उसका पुत्र अर्थात पोता केवल इस रिश्ते के आधार पर क्लास-ड्ड का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी नहीं बन जाता। लेकिन यदि पुत्र की मृत्यु पिता अर्थात दादा से पहले हो चुकी है, तो पूर्वमृत पुत्र का बेटा निर्धारित उत्तराधिकार के अंतर्गत हिस्सा प्राप्त कर सकता है।सर्वोच्च न्यायालय ने इसी अंतर को रेखांकित किया। अदालत के अनुसार, जब दादा की संपत्ति धारा 8 के अंतर्गत उसके क्लास-ड्ड उत्तराधिकारियों को मिल जाती है,तो प्रत्येक उत्तराधिकारी अपने हिस्से का स्वतंत्र मालिक बनता है। धारा 19 के अनुसार ऐसे उत्तराधिकारी सामान्यतः हिस्सेदार के रूप में संपत्ति प्राप्त करते हैं, न कि एक निरंतर संयुक्त सहदायिकी के रूप में।इसलिए पिता को मिला हिस्सा केवल इस आधार पर संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता कि उसका मूल स्रोत दादा की संपत्ति थी। पिता को अपने हिस्से पर स्वतंत्र स्वामित्व प्राप्त होता है। साथियों बात अगर हम वर्ष 1986 का ऐतिहासिक फैसला इस मुकदमे में क्यों बना सबसे बड़ा आधार? को समझने की करें तो, इस पूरे विवाद को समझने के लिए वर्ष 1986 का एक महत्वपूर्ण निर्णय जानना आवश्यक है। वह है कमिश्नर ऑं? वेल्थ टैक्स,कानपुर बनाम चन्दर सेंन,(1986) 3 एससीसी 567 इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कानूनी सिद्धांत स्थापित किया था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत पिता से विरासत में मिली संपत्ति पुत्र को उसकी व्यक्तिगत हैसियत में प्राप्त होती है, न कि अनिवार्य रूप से उसके अपने हिंदू अविभाजित परिवार के कर्ता के रूप में।इसका अर्थ यह है कि पारंपरिक हिंदू कानून में जन्म से सहदायिकी अधिकार की जो अवधारणा थी, उसे धारा 8 के तहत उत्तराधिकार से प्राप्त प्रत्येक संपत्ति पर स्वतः लागू नहीं किया जा सकता।इसके बाद युधिशटर बनाम अशोक कुमार ,(1987) 1 एससीसी 204 में भी चंदर सेन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया। वर्तमान मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इन पुराने निर्णयों के साथ अन्य प्रासंगिक फैसलों का भी अध्ययन किया और स्पष्ट किया कि संहिताबद्ध उत्तराधिकार कानून को नजरअंदाज करके पुराने व्यक्तिगत हिंदू कानून के आधार पर पोते का जन्मसिद्ध दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता।यही इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण कानूनी पक्ष है। न्यायालय ने 1986 के सिद्धांत को कोई नया कानून बनाकर नहीं, बल्कि वर्तमान विवाद के तथ्यों पर लागू करके उसकी प्रासंगिकता को फिर से सटीकता से रेखांकित किया। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट ने धारा 6 औरतमिलनाडु की धारा 29- ए की दलील क्यों खारिज की? इसको समझने की करें तो इस मुकदमे में अपीलकर्ता की ओर से हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 और तमिलनाडु में लागू धारा 29-ए का भी सहारा लिया गया था। अपीलकर्ता का तर्क था कि उसका जन्म 6 जनवरी 1994 को हो चुका था और समझौता डिक्री 3 फरवरी 1994 को पारित हुई थी।इसलिए उसे जन्म से सहदायिकी अधिकार प्राप्त हो चुका था।लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया।धारा 6 का संबंध मिताक्षरा संयुक्त हिंदू परिवार की सहदायिकी संपत्ति में अधिकार के उत्तराधिकार से है। वर्ष 2005 के संशोधन ने बेटियों को भी बेटों के समान जन्म से सहदायिकी अधिकार प्रदान किए। वहीं तमिलनाडु की धारा 29-ए के अंतर्गत भी निर्धारित शर्तों के अधीन बेटियों को सहदायिकी अधिकार दिए गए थे।न्यायालय ने कहा कि इस मामले में दादा की मृत्यु के बादउत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था और संपत्ति क्लास-ड्ड उत्तराधिकारियों में चली गई थी। इसके बाद 1994 में हुए समझौते के तहत अलग- अलग हिस्से निर्धारित हो गए। इसलिए अपीलकर्ता दादा की मृत्यु के समय जीवितसहदायी नहीं था और उसके पक्ष में धारा 6 अथवा तमिलनाडु की धारा 29-ए लागू नहीं की जा सकती।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल इस कारण कि पोते का जन्म समझौता डिक्री से पहले हुआ था, उसे उस संपत्ति में नया सहदायिकी अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता जिसका उत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था। साथियों बात अगर कर हम भविष्य में इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ेगा? किन परिस्थितियों में पोते को संपत्ति में हिस्सा मिल सकता है? इसको समझने की करें तोयह फैसला देशभर में संपत्ति संबंधी मुकदमों के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा। हालांकि इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि अब पोते-पोतियों का दादा की पैतृक संपत्ति पर कभी अधिकार नहीं होगा। असली सवाल संपत्ति की कानूनी प्रकृति, उसके उत्तराधिकार का समय और उसके हस्तांतरण के तरीके का होगा।पहली स्थिति = धारा 8 के तहत विरासत में मिली संपत्ति। यदि दादा की मृत्यु बिना वसीयत के होती है और संपत्ति धारा 8 के तहत क्लास-ड्ड उत्तराधिकारियों में जाती है तथा पिता को उसका हिस्सा प्राप्त होता है, तो उस हिस्से पर पिता का बेटा केवल जन्म के आधार पर अपना दावा नहीं कर सकता।दूसरी स्थिति = वास्तविक संयुक्त पैतृक सहदायिकी संपत्ति। यदि संपत्ति वास्तव में मिताक्षरा संयुक्त हिंदू परिवार की अविभाजित सहदायिकी संपत्ति है और उस पर लागू कानून के तहत जन्म से अधिकार उत्पन्न होता है, तो योग्य सहदायी अपना हिस्सा मांग सकता है। ऐसी संपत्ति को धारा 8 से प्राप्त व्यक्तिगत संपत्ति के समान नहीं माना जा सकता। साथियों तीसरी स्थिति पिता की मृत्यु दादा से पहले। यदि पिता की मृत्यु दादा से पहले हो जाती है, तो पूर्वमृत पुत्र का बेटा दादा के उत्तराधिकार में धारा 8 और उसकी अनुसूची के अनुसार हिस्सा प्राप्त कर सकता है। यह अधिकार निर्धारित उत्तराधिकार के आधार पर होगा,न कि जीवित पिता के हिस्से पर जन्मसिद्ध दावे के आधार पर।चौथी स्थिति = दादा की स्वयं अर्जित संपत्ति। यदि दादा ने अपनी मेहनत और आय से संपत्ति अर्जित की है,तो वह सामान्यतः अपनी वसीयत के माध्यम से उसे किसी भी पात्र व्यक्ति को दे सकते हैं। यदि वह बिना वसीयत के मृत्यु करते हैं तो धारा 8 के अनुसार उत्तराधिकार खुलेगा।पांचवीं स्थिति पिता की स्वतंत्र संपत्ति यदि पिता को धारा 8 के अंतर्गत व्यक्तिगत संपत्ति प्राप्त हुई है, तो वह लागू कानून के अधीन उसे बेचने, दान करने या वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित करने का अधिकार रखते हैं। केवल पुत्र होने के कारण पोता उस संपत्ति में स्वतःहिस्सा नहीं मांग सकता।इसलिए हर संपत्ति विवाद में केवल यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि जमीन दादा या परदादा से आई है। यह भी देखना होगा कि संपत्ति किस कानूनी प्रक्रिया से प्राप्त हुई, उत्तराधिकार कब खुला, क्या कोई वैध बंटवारा हुआ और संबंधित समय पर कौन-कौन सटीकता से उत्तराधिकारी जीवित थे।

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी**

# भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जु? जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे ब?ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करो? से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

**-ललित गर्ग**

# इंदिरा गांधी-जिनके फैसलों ने बदल दी भारत की राजनीतिक तस्वीर

**-योगेश कुमार गोयल**

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी।



विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था। इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, "आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।" इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ीं। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं। बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थीं किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटीं। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई। 1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसे पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए, इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गईं, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली। इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुईं और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, "देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।" इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थीं। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों की मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थीं कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

## दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर

**नई दिल्ली। एजेंसी।** रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रतिष्ठित खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए है। यह भारत का सबसे महंगा खुदरा बाजार भी है, जहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट पहुंच गया है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दुनिया का सबसे महंगा खुदरा बाजार बन गया है। लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (2,230 डॉलर) दूसरे और मिलान का विया मोंटेनापोलियोने (2,160 डॉलर) तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली के खान मार्केट में मजबूत मांग के कारण सालाना किराया 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (लगभग 1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे बाजारों में किराये बढ़े, जबकि वैश्विक स्तर पर किराये की औसत वृद्धि 3 फीसदी रही। भारतीय खुदरा बाजार मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण मजबूत बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

## भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नहीं-नवीन जिंदल

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों में, भविष्य में वैश्विक बाजार में कोकिंग कोयले की आपूर्ति पर्याप्त बनी रहेगी, जिससे भारतीय इस्पात कंपनियों को इसकी उपलब्धता को लेकर कोई चिंता नहीं होगी। भारत में लगातार नए संयंत्रों का निर्माण इसकी मांग को बनाए रखेगा, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में मांग घटेगी।

## डॉलर में तेजी से फीकी हुई सोने-चांदी की चमक

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अमेरिकी डॉलर में लगातार मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी की आशंका के कारण बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों पर भारी दबाव देखा गया। ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स और घरेलू मार्केट एमसीएक्स दोनों पर बहुमूल्य धातुएं भारी गिरावट के साथ कारोबार कर रही थीं। ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 3,800 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 45.80 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,31,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,64,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,601 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,622 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,34,223 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 2,405 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,818 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,401 रुपये की गिरावट के साथ 1,67,301 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,69,702 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 4,823 रुपये की गिरावट के साथ 1,64,879 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के भाव सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,855.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,864.20 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 66.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,797.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 47.41 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 47.35 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.49 डॉलर की गिरावट के साथ 45.86 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया।

## भारत में आर्थिक संकट और बेरोजगारी पर राहुल गांधी की चिंता

**न्यूयॉर्क। एजेंसी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश इस समय गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, कमजोर विनिर्माण क्षेत्र और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी गंभीर समस्याएं शामिल हैं। गांधी ने चेतावनी दी कि यदि देश मौजूदा आर्थिक रास्ते पर आगे बढ़ा तो मुश्किलें और बढ़ेंगी, क्योंकि मौजूदा मॉडल करीब एक दशक पहले ही प्रभावी होना बंद हो चुका है। उन्होंने सरकार की मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों को भी असफल बताते हुए कहा कि वे देश की कमजोर आर्थिक बुनियाद को मजबूत नहीं कर पाईं। उन्होंने बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की खामियों को नजरअंदाज न करने पर जोर दिया। कांग्रेस नेता ने छोटे और मझोले कारोबार तथा कृषि क्षेत्र को अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया, जो बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया और तर्क दिया कि केवल सेवा क्षेत्र पूरी आबादी को रोजगार नहीं दे सकता। गांधी ने निजी निवेश की कमी पर भी सवाल उठाए, आरोप लगाया कि कुछ बड़े कारोबारी समूहों (जैसे अडानी-अंबानी) को ही विस्तार का लाभ मिल रहा है।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

**मुम्बई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,031.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 159.45 अंक फिसलकर 25,227.95 अंकों पर बंद हुआ। आज एसबीआई, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार बंद किया जबकि टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुए और बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 15 कंपनियों के शेयर ही तेजी




के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.26 फीसदी उछले जबकि टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.82 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल सहित इन शेयरों में गिरावट आई है। टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल 2, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 82,443.35 के स्तर पर वहीं निफ्टी भी 33.50 अंक गिरकर 25,353.90 पर आ गया है। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरे, जबकि एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिलाजुला कारोबार दिखा।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

**नई दिल्ली। एजेंसी।** अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) का एक उच्च-स्तरीय दल इन दिनों दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर रहा है। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा बौद्धिक संपदा (आईपी), नियामकीय डेटा संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी दूतावास ने इन चर्चाओं की पुष्टि करते हुए इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास बताया। यूएसटीआर के सहायक व्यापार प्रतिनिधि डैनियल ली सहित वरिष्ठ अधिकारियों का दल वाणिज्य, वित्त, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा औषध विभागों के प्रमुख भारतीय अधिकारियों से मिल रहा है। हालांकि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये बातचीत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। फिलहाल दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिसमें वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्क बाधाओं और आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अमेरिका का मानना है कि बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर भारत को गैर-शुल्क बाधाओं को समझौते के बिना भी दूर करना चाहिए। यूएसटीआर ने भारत को आईपी अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन में चुनौतियों के कारण अपनी प्राथमिकता निगरानी सूची में बरकरार रखा है।

## एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

**नई दिल्ली। एजेंसी।** एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरूरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है। कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है। एनवीडिया ने अपने शेयर बायबैक प्रोग्राम में भी 150 अरब डॉलर की बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे कंपनी के शेयर खरीदने की क्षमता और बढ़ जाएगी। इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में कारोबार के बाद करीब 4फीसदी की तेजी आई। हालांकि, कंपनी के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं।

## आज का राशिफल



**मेष**- आज परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी और आपके अच्छे कामों की खुलकर सराहना हो सकती है। लंबे समय से की जा रही मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। संभव है कि आपके काम के लिए कोई सम्मान या पुरस्कार भी प्राप्त हो। ऑफिस में आपकी लगन, जिम्मेदारी और काम के प्रति समर्पण देखकर बॉस काफी प्रसन्न रहेंगे।

**वृषभ**- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन विशेष रूप से उत्साहजनक रह सकता है। प्रमोशन, पदोन्नति या किसी नई जिम्मेदारी से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को उचित महत्व मिलेगा और आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने या अपनी पसंद की चीजें लेने का अवसर मिलेगा।

**मिथुन**- आज का दिन सामान्य रहने के बावजूद कई अच्छे अवसर लेकर आ सकता है। नई प्रॉपर्टी खरीदने या संपत्ति से जुड़ी किसी योजना पर विचार करने का मन बन सकता है। यदि आप इस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आर्थिक स्थिति और जरूरी दस्तावेजों का अच्छी तरह आकलन करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता और निरंतरता बनाए रखने की जरूरत होगी।

**कर्क**- आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। आप अपने रहन-सहन को बेहतर बनाने और घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ खरीदारी कर सकते हैं। संतान की कोई इच्छा पूरी करने का भी मन बनेगा, जिससे उसे खुशी मिलेगी और आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। हालांकि, किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें।

**सिंह**- आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता और प्रभाव लोगों के बीच विशेष पहचान बना सकते हैं। आपका नाम और मान-सम्मान बढ़ने की संभावना है। यदि आप किसी सामाजिक या व्यावसायिक गतिविधि से जुड़े हैं, तो लोगों के बीच आपकी बातों और काम को महत्व मिल सकता है। पुराने कर्ज से कुछ राहत मिलने के संकेत हैं, लेकिन इसके साथ आय के स्रोतों को मजबूत बनाए रखना भी जरूरी होगा।

**कन्या**- आज का दिन कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आ सकता है। संतान के करियर, पढ़ाई या भविष्य से जुड़े किसी महत्वपूर्ण विषय के कारण यात्रा करनी पड़ सकती है। आमदनी अच्छी रहने के बावजूद खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे। मां से किया हुआ कोई वादा भूलना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है, इसलिए अपनी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें।

**तुला**- आज किसी भी काम में जल्दबाजी करना आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। विशेष रूप से प्रॉपर्टी से जुड़े किसी सौदे में आगे बढ़ने से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। जमीन-जायदाद के दस्तावेजों, कीमत और कानूनी स्थिति को समझना जरूरी होगा। संतान के एडमिशन या पढ़ाई से संबंधित काम के सिलसिले में नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

**वृश्चिक**- आज सेहत के मामले में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होगी। विशेष रूप से खानपान को लेकर लापरवाही न करें और अपनी दिनचर्या संतुलित रखें। घर में मरम्मत, सजावट या रिनोवेशन का काम शुरू हो सकता है। इस काम में समय और मेहनत दोनों लगेंगे, जिसके कारण आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है। घर के कामों में अधिक ध्यान देने से दूसरे जरूरी कामों की गति थोड़ी धीमी पड़ सकती है।

**धनु**- आज का दिन आपके लिए कई शुभ संकेत लेकर आ सकता है। घर में किसी मांगलिक या पारिवारिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू होने की संभावना है, जिससे परिवार के सदस्यों में उत्साह और खुशी बनी रहेगी। हालांकि, खर्च करते समय अपनी वास्तविक जरूरतों को प्राथमिकता दें और केवल उत्साह में आकर बजट से बाहर न जाएं।

**मकर**- आज कारोबार के लिहाज से दिन अच्छा रह सकता है और लाभ के नए अवसर सामने आ सकते हैं। आपकी योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी और मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। हालांकि, किसी पर भी आंख बंद करके भरोसा करना उचित नहीं होगा। व्यावसायिक मामलों में हर जानकारी की जांच करें और महत्वपूर्ण फैसले सोच-समझकर लें। पारिवारिक जीवन में आपसी एकता और संवाद बनाए रखना जरूरी होगा।

**कुंभ**- आज अपने घर का सपना पूरा करने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़े किसी मामले में सकारात्मक खबर मिलने की संभावना है, जिससे आपका उत्साह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रहने के बजाय अपने कामों को स्वयं व्यवस्थित करने का प्रयास करें।

**मीन**- आज बहस और बेवजह की तकरार से दूर रहना ही आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा। छोटी-सी बात पर प्रतिक्रिया देने से बचें और हर परिस्थिति में संयम बनाए रखें। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर उसे बाहर भेजने अथवा किसी दूसरे स्थान पर शिक्षा दिलाने का विचार बन सकता है। इस संबंध में निर्णय लेने से पहले सभी जरूरी पहलुओं पर विचार करें।

## शब्दजाल - 8454

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| या | ज | गा | रा | ग | व | ज | क | प | ल | क |
| दें | व | ज | ज | या | उ | ड़ि | या | स | ज | ड़ |
| वं | ह | या | स्था | मं | छ | स | या | न | य | म |
| क | गा | ल | नी | दे | हिं | दी | ता | त | ल | क |
| ती | इ | ली | म | सं | व | ल | श | या | ला | ल |
| आ | ता | म | ई | र | व | क | ल | लो | श | ज |
| सा | बा | चे | ठ | ई | क | म | री | ज | प | न |
| मी | र | मी | प | ठी | ज | ना | र्द | न | प | त |
| क | ज | ल | ज | न | व | री | ऐ | ज | प | मि |
| क | प | ल | प | द | या | स | मा | ब | प | ल |
| का | श्तो | वे | न्न | ई | गु | ज | रा | ती | प | ग |

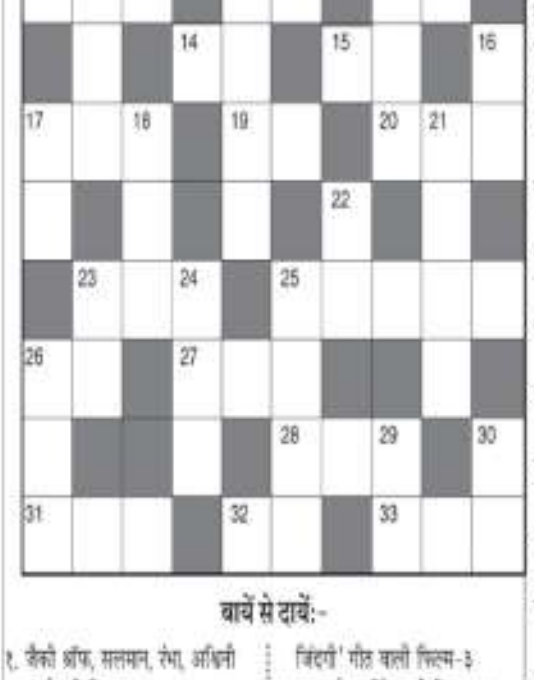
*शब्द जाल में उन 10 भाषाओं के नाम ढूंढिए जो भारत में बोली जाती हैं. नाम उपर से नीचे, एवं तिरछे भी हैं.*

राजस्थानी, मराठी, गुजराती, तमिल, हिंदी, पश्तो, बंगाली, उड़िया, आसामी, मलयालम.

**शब्दजाल - 8453 का हल**

[illegible]

## फिल्म वर्ग पहेली- 7388



**बायें से दायें:-**

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रेखा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम चलत' गीत वाली फिल्म-३
५. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मस्त तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम मस्तल की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'पहला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'यहाँ की बात जो' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. विजॉय आनंद, कृतिका पने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना मैं' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चालों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

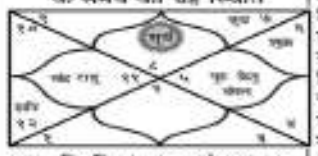
**फिल्म वर्ग पहेली- 7387**

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**19 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**



गुरुवार 2026 वर्ष का 323 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु हेमन्त।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि नवमी 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा अहोरात्र।
योग व्याघात 07.43 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.07 बजे तदनन्तर तैतिल 19.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872898
जुलियन दिन 2461363.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 08

[illegible]

चौघड़िया शुभाशुभ- [illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः — नागरिक का कर्तव्य

[illegible]

## सूडोकू नवताल- 7697

★★★ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | | 6 |
| 3 | | | | | 2 | | | |
| | | 7 | 6 | 5 | | | | 4 |
| 9 | 6 | | 5 | | | 1 | | 7 |
| 5 | | 1 | 4 | | 9 | 8 | | 2 |
| 4 | | 8 | | | | | 5 | 3 |
| 2 | | | | 6 | 1 | 4 | | |
| | | | 7 | | | | | 8 |
| 7 | | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकू नवताल 7696 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 4 | 9 | 5 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 1 | 8 | 5 | 7 |
| 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 6 | 2 | 4 | 9 |
| 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 7 | 8 |
| 8 | 5 | 9 | 2 | 4 | 7 | 1 | 3 | 6 |
| 6 | 7 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 6 | 4 | 5 | 9 | 2 |
| 5 | 9 | 6 | 1 | 2 | 3 | 7 | 8 | 4 |
| 2 | 4 | 8 | 5 | 7 | 9 | 3 | 6 | 1 |

## शब्द पहेली - 8912



**बाएँ से दाएँ**

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फेंक कर भविष्य जानने की क्रिया-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

**ऊपर से नीचे**

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

**शब्द पहेली -8911 का हल**

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

# कालीमाटी ने दुलापुर को हराकर जीता फाइनल का खिताब

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम दुलापुर में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता सत्र 2026 का मंगलवार, 17 नवंबर को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। बिरसा ब्रिगेड दुलापुर के तत्वावधान में रॉयल स्पोर्टस दुलापुर की सहभागिता से आवास टोला पानी टंकी के समीप आयोजित इस प्रतियोगिता में 9 नवंबर से क्षेत्र की कुल 36 टीमों ने हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।



## कालीमाटी ने जीता फाइनल, दुलापुर को मिला दूसरा स्थान

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला कालीमाटी और मेजबान ग्राम दुलापुर की टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कालीमाटी ने बाजी मारते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम को 7,001 रुपए नगद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता दुलापुर की टीम को 3,501 रुपए नगद एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में कालीमाटी के उज्जवल घोरमारे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज का खिताब हासिल किया। उन्हें ट्रॉफी के साथ 501 रुपए नगद पुरस्कार दिया गया। वहीं दुलापुर के प्रांजल घोरमारे को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के सम्मान से नवाजा गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कर्हाडे ने विजेता टीम कालीमाटी को 7,001 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की। वहीं विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे ने उपविजेता टीम दुलापुर को 3,501 रुपए का पुरस्कार दिया। ग्राम पंचायत दुलापुर के सरपंच ताराचंद कुचलाहे ने दोनों टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उपसरपंच संजय धारणे, जनपद सदस्य टूमनलाल घोरमारे, पंच कुमार चंचे, सामाजिक कार्यकर्ता सालिकराम नारनीरे, परशुराम धारणे, गोपीचंद हरदे, अतुल हनोते, शंकरलाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## युवाओं की एकजुटता से सफल हुआ आयोजन

प्रतियोगिता की विशेष बात दुलापुर के युवाओं की एकजुटता और सामूहिक प्रयास रहा। बिरसा ब्रिगेड के नेतृत्व और रॉयल स्पोर्टस दुलापुर की सहभागिता से आयोजित इस प्रतियोगिता ने ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता दिखाने का बेहतर अवसर दिया। आयोजन समिति में अध्यक्ष टूमनलाल घोरमारे, उपाध्यक्ष संजय धारणे, कोषाध्यक्ष गणेश धारणे एवं सचिव अतुल हनोते के साथ चमरुलाल श्यामकुवर, अशोक सोनवाने, धर्मदीप धारणे, जितेंद्र बम्बूरे, संजय हनोते, पियूष धारणे, तुषार धारणे, चमन नारनीरे, विशाल नारनीरे, प्रियांशु धारणे, अजय नारनीरे, रोशन राणे, उत्तम धारणे, करण बावने, आर्यन ढोक, भूपेंद्र राणे, प्रणय नेवारे, योगेश धारणे, किशन राणे, घंशु, विशाल, शिवम, विकास एवं नरेंद्र सहित अन्य युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता ने खेल के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को जोड़ने, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का सराहनीय संदेश दिया। अंत में आयोजन समिति ने प्रतियोगिता में शामिल सभी 36 टीमों, खिलाड़ियों, अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। युवाओं की मेहनत और ग्रामीणों के सहयोग से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# टेमनी में 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, घर के पाटन पर फंदे से लटका मिला शव

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम टेमनी में 16 वर्षीय किशोरी की फांसी लगने से मौत का मामला सामने आया है। किशोरी का शव 17 नवंबर को दोपहर के समय घर के अंदर पाटन पर रस्सी के फंदे से लटका मिला। घटना के समय घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। सूचना मिलने पर लांजी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की तथा मर्ग कायम कर मामले की जांच में लिया है। फिलहाल किशोरी की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका सिमरन चंदेल (16 वर्ष), पिता शिवप्रकाश चंदेल, निवासी ग्राम टेमनी कक्षा 11वीं की छात्रा थी। उसके पिता रोजगार के सिलसिले में हैदराबाद गए हुए हैं। परिवार में उसकी मां और एक छोटा भाई है, जो कक्षा 9वीं में अध्ययनरत है। पुलिस को दिए गए मर्ग इंटीमेशन के अनुसार, 17 नवंबर को दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच सिमरन ने घर के अंदर पाटन में रस्सी से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर उसके परिजन तत्काल घर पहुंचे, जहां किशोरी को फंदे से नीचे उतारकर सामने की छपरी में तख्त पर लिटाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बताया गया कि 16 नवंबर को गांव में मंडई का आयोजन था। सिमरन भी मंडई कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। इसके अगले दिन यह दुखद घटना सामने आई। हालांकि घटना के पीछे की वजह क्या रही, इसकी जानकारी परिजनों को भी नहीं है। घटना के बाद परिजनों की सूचना पर लांजी पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल लांजी भिजवाया। 18 नवंबर को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।लांजी पुलिस ने मर्ग क्रमांक 48/2026, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है। मर्ग सूचना के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। किशोरी की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

# एम्प्लिफायर के विवाद में युवक पर लोहे के सरिए से हमला

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। एम्प्लिफायर वापस नहीं लौटाने की बात को लेकर हुए विवाद में दो युवकों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया. इस दौरान एक आरोपी ने रस्सी में खाना बनाने की जगह से लोहे का सरिया लाकर उसके सिर पर वार कर दिया. हमले में घायल व्यक्ति के सिर और हाथ में चोट आई है. इस मामले में तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, सतोना निवासी फिर्यादी रंजित हीसीलाल जांगिते (35) ने बहेगांव निवासी आरोपी नैतिक आगरे (18) व तडस्या (20) से एम्प्लिफायर वापस नहीं मिलने को लेकर सवाल किया था. इसी बात पर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई. विवाद बढ़ने पर फिर्यादी ने आरोपी क्र. दो को धप्पड़ मार दिया. इसके बाद आरोपी क्र. एक ने खाना बनाने की जगह से लोहे का सरिया उठाकर रंजित के सिर के बाईं ओर वार कर दिया. इससे उनके सिर में चोट लगने के साथ खून बहने लगा. आरोपी ने दोबारा वार करने का प्रयास किया, जिसे फिर्यादी ने बाएं हाथ से रोकने की कोशिश की. इस दौरान उनके हाथ की हथेली और अंगूठे में चोट आई तथा अंगूठे में सूजन आ गई. आरोप है कि दूसरे आरोपी ने भी धक्का-मुक्की करते हुए गालीगलौज की. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बांते कर रहे हैं।

# ट्रक की ई-रिक्शा को टक्कर, छात्रों समेत 7 घायल

### तीन स्कूली छात्राओं सहित चार की हालत गंभीर -भरेंगांव फाटे की घटना

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रायपुर-नागपुर राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 पर भरेंगांव फाटे के पास बुधवार, 18 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. इस भीषण हादसे में ई-रिक्शा चालक सहित सात लोग घायल हो गए, घायलों में तीन स्कूली छात्राओं सहित चार की हालत गंभीर बताई जा रही है. प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए गोंदिया के शासकीय अस्पताल रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा क्र. एमएच 35 - एएच 2203 में चालक सहित यात्री सवार होकर जा रहे थे. इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक क्र. सीजी 08 - एझेड 2451 ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा में सवार यात्री घायल हो गए. हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल देवरी के ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया. इस दुर्घटना में कुंभारटोला निवासी अनन्या भाऊराव चुटे (18), गुंजन भाऊराव चुटे (17), हर्षिता राजेंद्र सरोटे (17), भरेंगांव निवासी भानुबाई निपुर मड़ावी (40), शिरपुर निवासी वेदिका संजय गाते (13), युक्तिका संजय गाते (4) व शिरपुर निवासी ई-रिक्शा चालक देवेंद्र संपत सरोटे (45) घायल हुए हैं. घायलों में अनन्या चुटे, वेदिका गाते, हर्षिता सरोटे और भानुबाई मड़ावी की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें देवरी ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गोंदिया रेफर किया गया. नागरिकों ने परिवहन विभाग से ई-रिक्शा में निर्धारित यात्री क्षमता, स्कूली बच्चों के परिवहन, वाहनों की फिटनेस तथा यातायात नियमों के पालन की सख्ती से जांच करने की मांग की है।



## ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियों का सवाल

इस हादसे के बाद ई-रिक्शा में यात्रियों की निर्धारित संख्या और सुरक्षित परिवहन का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है. जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा में चालक सहित कई लोग सवार थे. इनमें स्कूली बच्चे भी शामिल थे. ऐसे में वाहन की निर्धारित यात्री क्षमता और नियमों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं. विशेषकर स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने के दौरान वाहन की क्षमता, फिटनेस और सुरक्षा मानकों का पालन करना बेहद जरूरी है. निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर वाहन चलाने से दुर्घटना की स्थिति में गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

# सांदीपनि शासकीय विद्यालय बोलेगांव में मनाया क्रांतिवीर जननायक बिरसा मुंडा की जयंती

### चार दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन






पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं विद्यार्थियों को बेहतर करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में क्रांतिवीर एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में चार दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी संस्कृति, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवन आदर्शों पर आधारित विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य बी.आर. गुरदे एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती तथा क्रांतिवीर भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात 15 से 18 नवंबर तक विद्यालय परिसर में लगातार विविध प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रथम दिवस 15 नवंबर को आदिवासी संस्कृति एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदर्शों पर आधारित गीत एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दूसरे दिन 16 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा, पर्यावरण संरक्षण एवं आदिवासी संस्कृति विषय पर चित्रकला और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। तीसरे दिन 17 नवंबर को आदिवासी लोकगीतों पर आधारित आकर्षक लोकनृत्य एवं नाट्य मंचन की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और जननायक बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। चार दिवसीय आयोजन का समापन 18 नवंबर को समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं सहभागिता निभाने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने कहा कि क्रांतिवीर जननायक भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का महान स्रोत है। उन्होंने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में अपने अदम्य साहस, संघर्ष और नेतृत्व क्षमता से ऐसा इतिहास रचा, जो सदैव स्मरणीय रहेगा। सीमित संसाधनों के बावजूद दमनकारी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करना तथा अपनी संस्कृति, अस्मिता और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर देना उनके महान व्यक्तित्व और राष्ट्रभक्ति का परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए, सदैव जागरूक और कर्मठ रहें। विद्यालय में आयोजित इस चार दिवसीय कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को न केवल जननायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्षों को जानने-समझने का अवसर प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति, परंपराओं और देशभक्ति के मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा भी दी। इस प्रकार विद्यालय का यह आयोजन शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय पहल साबित हुआ।

# शिक्षिका के बंद मकान में सेंधमारी, 80,800 रु. का माल चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा शहर के महात्मा फुले वार्ड में एक शिक्षिका के बंद मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के आभूषण व नकदी सहित कुल 80 हजार 800 रु. के माल पर हाथ साफ कर दिया. शिक्षिका वरिष्ठ वेतन श्रेणी प्रशिक्षण के लिए गोंदिया गई हुई थीं. इसी दौरान चोर ने मकान का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया. इस मामले में तिरोड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, 49 वर्षीय फिर्यादी महिला महात्मा फुले वार्ड, तिरोड़ा निवासी हैं और पेशे से शिक्षिका हैं. वह वरिष्ठ वेतन श्रेणी प्रशिक्षण के लिए गोंदिया गई थीं. इस दौरान उनका मकान बंद था. इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया. इसके बाद बेडरूम में रखी ड्रेसिंग टेबल का लॉकर तोड़कर उसमें रखे तालेबंद स्टील के डिब्बे से कीमती सामान चोरी कर लिया. चोरी गए माल में 2 ग्राम वजन की सोने की अंगूठी, दो चांदी की चेन, चांदी के छह सिक्के व 20 हजार रु. नकद ऐसा कुल 80 हजार 800 रु. का माल चोरी हुआ है. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार निलपवार कर रहे हैं।

# खाटू नरेश के जन्मोत्सव पर निकलेगी निशान यात्रा, गूंजेंगे बाबा के जयकारे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। श्री श्याम मित्र मंडल आमगांव की ओर से हारे के सहारे, तीन बाणधारी खाटू नरेश श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव व कार्तिक एकादशी के पावन अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. इसके तहत 19 नवंबर को भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी. निशान यात्रा दोपहर 3.30 बजे स्थानीय श्रीराम पंचायती मंदिर, बनिया मोहल्ला से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री श्याम दरबार, रन चौक पहुंचेगी. मंडल ने शहरवासियों और श्याम भक्तों से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है. 20 नवंबर को बाबा के जन्मोत्सव पर सुबह 5 बजे मंगला आरती और 7 बजे श्रृंगार आरती होगी. इसके बाद 600 से 700 बच्चों की सहभागिता में जन्मोत्सव मनाया जाएगा. शाम 7 बजे बाबा की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी. आरती के बाद महाप्रसाद का वितरण होगा. वहीं, 21 नवंबर को शाम 6 बजे आदर्श विद्यालय, आमगांव में भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा. इसमें मुख्य गायिका रेशमी शर्मा (समस्तीपुर) के साथ राजेश अग्रवाल और नितेश सोनी (गोंदिया) सहित अन्य कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे. श्री श्याम मित्र मंडल ने श्रद्धालुओं से बाबा की पावन ज्योत के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करने और सभी धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनने का आग्रह किया है।




लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रॉडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

### गांधीसागर में मोहन कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई बड़े फैसले

# 5 नए औद्योगिक पार्क बनाएगी सरकार

## मंदसौर में एग्रो-केमिकल, रतलाम में बायो-फार्मा और धार में टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी; उज्जैन में 855 करोड़ से बनेगा फॉरेस्ट जू

भोपाल। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए अवसर तैयार करने के लिए सरकार ने बड़ा दांव खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंदसौर के गांधीसागर में हुई कैबिनेट बैठक में पांच नए औद्योगिक पार्क सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सरकार के मुताबिक, इन परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में 70,650 करोड़ रुपए का निवेश संभावित है और करीब 3.14 लाख रोजगार के अवसर बनेंगे।




बैठक में मंदसौर में एग्रो और केमिकल पार्क, रतलाम में बायो-फार्मा पार्क तथा धार में टेक्सटाइल पार्क विकसित करने का फैसला हुआ। इसके अलावा उज्जैन में रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क और 855 करोड़ रुपए की लागत से फॉरेस्ट जू व रेस्क्यू सेंटर बनाने को मंजूरी दी गई। छोटे उद्योगों के लिए अलग कंपनी बनाने से लेकर ऑकारेश्वर में सौर ऊर्जा परियोजना के विस्तार तक कई फैसले लिए गए।

### पांच औद्योगिक पार्कों से निवेश और रोजगार की उम्मीद

प्रदेश में बनने वाले पांच औद्योगिक पार्कों से निवेश और रोजगार की बड़ी उम्मीद है। मंदसौर जिले के बसई गांव में 178 हेक्टेयर क्षेत्र में एग्रो पार्क विकसित किया जाएगा। इसमें करीब 3,200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और 14 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इसी जिले के कुरलासी गांव में 3,500 एकड़ क्षेत्र में केमिकल पार्क बनाया जाएगा। इस परियोजना में करीब 15 हजार करोड़ रुपए का निवेश और लगभग एक लाख रोजगार के अवसर बनने का अनुमान है। यह परियोजना औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से मालवा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रतलाम में 453 हेक्टेयर जमीन पर बायो-फार्मा पार्क विकसित होगा। इसमें करीब 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश संभावित है। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 25 हजार लोगों को रोजगार मिल सकेगा। फार्मा और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्योगों को यहां प्रोत्साहित किया जाएगा। धार जिले के पीसोला गांव में 341.10 हेक्टेयर क्षेत्र में कपड़ा और उससे संबंधित उद्योगों का पार्क बनेगा। इसमें 6,150 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इस परियोजना से करीब 35 हजार लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। टेक्सटाइल उद्योग के जरिए क्षेत्र में सहायक और छोटे उद्योगों के विकास की भी संभावनाएं बनेंगी। ग्वालियर के तालपुरा और कुलैथ में टेलीकॉम से जुड़े उद्योगों के लिए औद्योगिक पार्क का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार क्षेत्र से जुड़े निवेश को प्रोत्साहन देने की तैयारी है। पांढुर्णा में भी नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में उद्योगों के विस्तार और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की योजना है।

### छोटे उद्योगों के लिए बनेगी एमपी एमएसएमई लिमिटेड

छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार एमपी एमएसएमई लिमिटेड नाम से नई कंपनी बनाएगी। इसके लिए 10 करोड़ रुपए का शुरुआती बजट रखा गया है। अगले पांच वर्षों में छोटे उद्योगों के विकास पर 1,507 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को औद्योगिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें विस्तार के लिए बेहतर संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना है।

### उज्जैन में 855 करोड़ का फॉरेस्ट जू, 237 करोड़ का रिसर्च पार्क

उज्जैन को पर्यटन और शोध के क्षेत्र में नई पहचान देने के लिए दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। नीलखी वन क्षेत्र में 210 हेक्टेयर जमीन पर 855 करोड़ रुपए की लागत से फॉरेस्ट जू और रेस्क्यू सेंटर विकसित किया जाएगा। इससे करीब छह हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। वहीं रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क 100 एकड़ में 237 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यहां अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि तकनीक और आधुनिक तकनीकों पर शोध एवं नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। फॉरेस्ट जू से उज्जैन के पर्यटन को विस्तार मिलने की उम्मीद है। वहीं रिसर्च पार्क के जरिए शहर को तकनीकी शोध और नवाचार के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

### ओंकारेश्वर में 200 मेगावॉट सोलर प्रोजेक्ट का विस्तार

ऊर्जा क्षेत्र में भी कैबिनेट ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। ओंकारेश्वर में 200 मेगावॉट क्षमता की नई फ्लोटिंग सोलर परियोजना विकसित की जाएगी। इसके साथ 800 मेगावॉट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली भी बनाई जाएगी। इससे सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ उसके भंडारण की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैटरी स्टोरेज के जरिए जरूरत के समय बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण होगी।

### मुरैना में खुलेगा पहला विश्वविद्यालय

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मुरैना को बड़ी सौगात मिली है। यहां श्री राधे विश्वविद्यालय खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2027-28 से पढ़ाई शुरू होने की योजना है। इससे चंबल क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए नए विकल्प मिलेंगे। वहीं कैबिनेट ने मध्यप्रदेश नागर विमानन नीति-2025 में संशोधन को भी मंजूरी दी है। इसके तहत घरेलू हवाई सेवाओं के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग सहायता की अवधि एक साल से बढ़ाकर चार साल की जाएगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं के लिए यह अवधि एक साल से बढ़ाकर दो साल करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य विमानन कंपनियों को शुरुआती दौर में आर्थिक सहयोग देकर प्रदेश में हवाई संपर्क का विस्तार करना है।

# सरकारी नौकरी में दो बच्चों वाला नियम खत्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी के लिए लागू दो बच्चों की अनिवार्यता अब इतिहास बन जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंदसौर के गांधीसागर में हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने करीब 25 साल पुराने इस नियम को खत्म करने का फैसला किया है। अब दो से अधिक संतान होने के आधार पर किसी कर्मचारी को सरकारी नौकरी में पात्रता प्रभावित नहीं होगी। तीन या चार बच्चे होने पर भी सरकारी सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला रहेगा।

सरकार के इस फैसले से पहले से सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों कर्मचारियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। खासतौर पर स्कूल शिक्षा विभाग के 30 हजार से अधिक शिक्षकों पर इस फैसले का असर पड़ सकता है। सामान्य प्रशासन विभाग के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इससे तीसरी संतान के आधार पर चल रही विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई समाप्त करने का रास्ता भी साफ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि पहले प्रशासकीय सेवकों के लिए दो बच्चों का नियम था, जिससे कई तरह की कठिनाइयां आती थीं। जब समाज में तीन-चार बच्चों को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं है तो सरकारी कर्मचारियों को इस मामले में अलग से बाध्य करने का औचित्य नहीं है। इसलिए सरकार ने यह नियम हटा दिया है।

### 8 से 10 हजार मामले लंबित, अब जांच होगी खत्म

दो बच्चों की पाबंदी के कारण प्रदेश के अलग-अलग सरकारी विभागों में कर्मचारियों के खिलाफ करीब 8 से 10 हजार मामले लंबित बताए जा रहे हैं। इनमें तीसरी संतान होने के आधार पर शुरू की गई विभागीय जांच, अनुशासनात्मक कार्रवाई और शिकायतें शामिल हैं। सबसे ज्यादा मामले स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े हैं। अकेले स्कूल शिक्षा विभाग में 30 हजार से ज्यादा शिक्षकों को इस फैसले से राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से भी इस नियम से संबंधित 12 शिकायतें सामान्य प्रशासन विभाग तक पहुंची थीं। नियम में संशोधन के बाद तीसरी संतान के आधार पर जिन कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित है, उन्हें समाप्त किया जाएगा। इससे लंबे समय से कार्रवाई का सामना कर रहे कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

### पुराने वर्स्ज़ारितगी आदेश नहीं होंगे बहाल

सरकार ने नियम खत्म करने के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। वर्ष 2001 के बाद जिन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई पूरी हो चुकी है और अंतिम आदेश पारित किया जा चुका है, उनके मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा। जिन कर्मचारियों को इस नियम के तहत सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है, उन्हें भी इस फैसले का लाभ नहीं मिलेगा।

# अब निजी एजेंसियों के हाथ होगी आपूर्ति की कमान

## एमपी में टेक होम राशन की व्यवस्था बदलेगी, 102 करोड़ के सात पोषाहार संयंत्र बंद होने के बाद सरकार ने तैयार किए टेंडर दस्तावेज

भोपाल। मध्य प्रदेश में बच्चों और महिलाओं को दिए जाने वाले टेक होम राशन (टीएचआर) की आपूर्ति व्यवस्था एक बार फिर बदलने जा रही है। अब पोषाहार तैयार करने और उसकी आपूर्ति की जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों के बजाय निजी एजेंसियों को सौंपी जाएगी। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने टेंडर की तैयारी पूरी कर ली है। दिसंबर में टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे और प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए साल से नई व्यवस्था लागू होने की संभावना है। इस बदलाव का सीधा असर छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरवय बालिकाओं को मिलने वाले पोषाहार पर पड़ेगा। फिलहाल इन हितग्राहियों को टेक होम राशन की आपूर्ति आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन तैयार करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से की जा रही है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने तक यही व्यवस्था जारी रहेगी।

प्रदेश में टेक होम राशन की आपूर्ति की व्यवस्थित करने के लिए सरकार ने पहले निजी एजेंसियों से काम लेकर आजीविका मिशन में पंजीकृत महिला स्व-सहायता समूहों के परिसीमों की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए सरकार ने 102 करोड़ रुपये खर्च कर प्रदेश के सात जिलों में पोषाहार निर्माण संयंत्र स्थापित किए थे। देवास, धार, सागर, मंडला, शिवपुरी, रीवा और नर्मदापुरम में ये संयंत्र लगाए गए थे। योजना का उद्देश्य महिला समूहों को रोजगार से जोड़ने के साथ बच्चों और महिलाओं तक गुणवत्तापूर्ण पोषाहार पहुंचाना था। लेकिन गड़बड़ी और समय पर आपूर्ति नहीं होने की शिकायतों के चलते व्यवस्था प्रभावित हुई। इसके बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सहमति से आपूर्ति का पूरा काम दोबारा महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंप दिया गया। इस तरह 102 करोड़ रुपये के निवेश से खड़े किए गए संयंत्रों के बंद होने के बाद सरकार को वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी पड़ी।

संयंत्रों के बंद होने के बाद टेक होम राशन की आपूर्ति प्रभावित हुई। तकाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों की मदद ली गई। इन समूहों से करीब डेढ़ से दो महीने का समय लग सकता है। इसके बाद चयनित एजेंसियों को आपूर्ति की जिम्मेदारी दी जाएगी। विभाग की सचिव जीवी रश्मि के मुताबिक, टेंडर आमंत्रित करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसमें कोई भी एजेंसी भागीदारी कर सकेगी। प्रक्रिया पूरी होने तक स्व-सहायता समूहों के माध्यम से चल रही वर्तमान व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण पहलू पोषाहार की लागत और केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि भी है। दिसंबर में टेंडर जारी कर निजी आपूर्तिकर्ताओं को आमंत्रित किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने में करीब डेढ़ से दो महीने का समय लग सकता है। इसके बाद चयनित एजेंसियों को आपूर्ति की जिम्मेदारी दी जाएगी। विभाग की सचिव जीवी रश्मि के मुताबिक, टेंडर आमंत्रित करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसमें कोई भी एजेंसी भागीदारी कर सकेगी। प्रक्रिया पूरी होने तक स्व-सहायता समूहों के माध्यम से चल रही वर्तमान व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण पहलू पोषाहार की लागत और केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि भी है।

### दिसंबर में टेंडर, डेढ़ से दो महीने में पूरी होगी प्रक्रिया

महिला एवं बाल विकास विभाग ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए समयसीमा तय की है।

# छठवां वेतनमान पाने वाले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 5 प्रतिशत बढ़ा

## एक जनवरी 2026 से मिलेगा बढ़ी हुई दर का लाभ, स्थाई कर्मियों को भी फायदा

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय और अर्द्धशासकीय कर्मचारियों के साथ स्थाई कर्मियों को भी महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत वृद्धि का लाभ दिया है। एक जनवरी 2026 से प्रभावी इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों को अब 262 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिलेगा। इससे प्रदेश के हजारों कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी होगी।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडेय ने बताया कि राज्य शासन के वित्त विभाग ने 15 अप्रैल 2026 को जारी परिपत्र के माध्यम से छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे कर्मचारियों और स्थाई कर्मियों को एक जुलाई 2025 से 257 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी किए थे। अब इसमें पांच प्रतिशत की वृद्धि करते हुए एक जनवरी 2026 से महंगाई भत्ते की दर 262 प्रतिशत कर दी गई है। इस फैसले से प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों, निगम-मंडलों और अर्द्धशासकीय संस्थानों में कार्यरत छठवां वेतनमान प्राप्त कर्मचारियों तथा स्थाई कर्मियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। महंगाई भत्ते में वृद्धि का लाभ मिलने से उनके मासिक वेतन में हजारों रुपए तक का अंतर आ सकता है। गौरतलब है कि राज्य सरकार इससे पहले सातवां वेतनमान प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी दो प्रतिशत की वृद्धि कर चुकी है। यह लाभ भी एक जनवरी 2026 से प्रभावी किया गया था। महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश जारी होने पर मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताया है। कर्मचारी नेता अशोक पांडेय, महेंद्र सारस, प्रमोद वर्डे, लव प्रकाश पाराशर, हरि सिंह गुड्ड और सत्येंद्र पांडेय ने निर्णय का स्वागत करते हुए इसे कर्मचारियों के हित में बताया है।

# सरकारी स्कूलों की बदलेगी सूरत! भवन से लैब-टॉयलेट तक का होगा सर्वे

## छात्र संख्या के अनुपात में सुविधाओं का आकलन करेगा स्कूल शिक्षा विभाग; डीईओ को 19 नवंबर तक देनी होगी रिपोर्ट

भोपाल । मध्यप्रदेश के सरकारी हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने कवायद तेज कर दी है। प्रदेशभर के स्कूलों में भवन, अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और टॉयलेट की वास्तविक स्थिति का सर्वे कराया जा रहा है। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को तीन दिन के भीतर स्कूलवार जानकारी जुटाकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट 19 नवंबर तक गूगल ड्राइव पर अपलोड करनी होगी।

इस सर्वे का मकसद यह पता लगाना है कि किन स्कूलों में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं और कहां नए निर्माण की जरूरत है। खासतौर पर ऐसे स्कूलों को चिह्नित किया जाएगा, जहां भवन नहीं हैं या उपलब्ध भवन में कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। सर्वे के आधार पर भवन विहीन और अधोसंरचना की कमी से जूझ रहे स्कूलों के लिए निर्माण कार्यों की स्वीकृति देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकेगी।

### पांच साल की स्वीकृतियों का होगा परीक्षण

लोक शिक्षण संचालनालय ने डीईओ को सत्र 2022-23 से 2026-27 तक स्कूलों में निर्माण कार्यों के लिए जारी प्रशासनिक स्वीकृतियों की स्कूलवार सूची का परीक्षण करने को कहा है। इसमें नए स्कूल भवन, अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला कक्ष, कंप्यूटर लैब और शौचालय निर्माण की स्वीकृतियां शामिल हैं। विभाग का मानना है कि पिछले वर्षों में अलग-अलग योजनाओं के तहत निर्माण कार्यों को मंजूरी देने के बावजूद कई स्कूलों में जरूरत के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। ऐसे में अब पुराने रिकॉर्ड और मौजूदा स्थिति का मिलान किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन स्कूलों में निर्माण स्वीकृत होने के बाद भी काम अधूरा है और कहां अब तक जरूरत के अनुरूप स्वीकृति ही नहीं मिल पाई है। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में विज्ञान विषयों की पढ़ाई के लिए प्रयोगशालाएं महत्वपूर्ण हैं। इसी को देखते हुए सर्वे में भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान की अलग-अलग प्रयोगशालाओं की स्थिति की जानकारी भी मांगी गई है। इसके अलावा कंप्यूटर लैब की उपलब्धता और जरूरत का आकलन किया जाएगा। स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में कक्षों की उपलब्धता भी जांची जाएगी। जिन संस्थानों में छात्र संख्या अधिक है, लेकिन पर्याप्त अतिरिक्त कक्ष नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निर्माण की जरूरत वाले स्कूलों में शामिल किया जा सकता है। विभाग ने बताया है कि पिछले चार सर्वों में समग्र शिक्षा अभियान, पीएमश्री योजना और राज्य योजना के तहत स्कूलों में अधोसंरचना विकास के लिए निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई थी।

# भाजपा में अब सिफारिश नहीं, परफॉर्मेंस से तय होगा पद

## निष्क्रिय पदाधिकारियों की घटेगी ग्रेडिंग,19 नवंबर को शिवप्रकाश लेंगे संगठन की अहम बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में संगठनात्मक पदों पर कब्जे को लेकर चल रही नेताओं की खींचतान अब पदाधिकारियों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। अब तक स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों के बीच अटकी नियुक्तियों पर पार्टी नेतृत्व ने अपना रुख सख्त कर लिया है। संगठन में पद पाने के लिए राजनीतिक रसूख से ज्यादा कार्यकर्ताओं की सक्रियता और कामकाज को महत्व देने की तैयारी है। जिन जिलों में लंबे समय से संगठन की कार्यकारिणी अधूरी है, वहां के जिम्मेदार पदाधिकारियों की ग्रेडिंग भी घटाई जा सकती है। इस पूरी कवायद के केंद्र में राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश हैं। वे 19 नवंबर को भोपाल में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक लेंगे। नई राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद मध्यप्रदेश में उनकी यह पहली बड़ी संगठनात्मक बैठक होगी। इसमें जिला अध्यक्षों, जिला और संभागीय प्रभारियों तथा मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा होगी। माना जा रहा है कि जिन इकाइयों ने अब तक नियुक्तियां पूरी नहीं की हैं, उन्हें अंतिम समयसीमा दी जा सकती है।

भाजपा को प्रदेश से लेकर जिला इकाइयों तक कई पद खाली पड़े हैं। जिला अध्यक्षों और संगठन के जिम्मेदारों को कई बार कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। प्रदेश प्रभारी विष्णव कुमार देव भी नियुक्तियों के लिए समयसीमा तय कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद मामला आगे नहीं बढ़ पाया। दरअसल, स्थानीय स्तर पर एक पद के लिए कई दावेदार सामने आ रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और दूसरे जनप्रतिनिधियों की ओर से अपने समर्थकों को पद दिलाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। कई जगह एक पद के लिए आधा दर्जन तक नाम सामने आने से सहमति नहीं बन पा रही है। नतीजा यह है कि संगठन की गतिविधियों के लिए जरूरी पद खाली हैं और जिला इकाइयां अपनी पूरी टीम के साथ काम नहीं कर पा रही हैं। अब पार्टी नेतृत्व इस स्थिति को संगठनात्मक कमजोरी के रूप में देख रहा है। दिल्ली तक शिकायतें पहुंचने के बाद सांगठन्स बनाने के निर्देश दिए गए, लेकिन जब स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं निकला तो शिवप्रकाश को हस्तक्षेप की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

### अब नेताओं की पसंद नहीं, कार्यकर्ताओं का रिपोर्ट कार्ड चलेगा

संगठन में नियुक्तियों को लेकर सबसे बड़ा बदलाव चयन के मापदंडों में हो सकता है। पार्टी नेतृत्व ने प्रदेश संगठन को संकेत दिया है कि पदाधिकारियों के नाम केवल किसी वरिष्ठ नेता या जनप्रतिनिधि की सिफारिश पर तय नहीं किए जाएं। इसके बजाय ऐसे कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाए, जो लगातार संगठन के कार्यक्रमों में सक्रिय रहते हैं और पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाते हैं। इस व्यवस्था में कार्यकर्ताओं की संगठन के प्रति प्रतिबद्धता, कार्यक्रमों में भागीदारी और जमीनी सक्रियता को महत्व मिलेगा। यानी अब केवल बड़े नेताओं की नजदीकी संगठन में पद पाने की गारंटी नहीं होगी। इससे उन कार्यकर्ताओं को मौका मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन राजनीतिक सिफारिशों के अभाव में जिम्मेदारी से दूर हैं।

### ग्रेडिंग घटेगी, निष्क्रिय पदाधिकारियों पर भी गिरेगी गाज

19 नवंबर की बैठक में केवल खाली पदों पर नियुक्तियों की चर्चा नहीं होगी, बल्कि मौजूदा पदाधिकारियों के प्रदर्शन का भी आकलन किया जा सकता है। प्रदेश संगठन उन पदाधिकारियों की बदलने पर विचार कर सकता है, जिनकी कार्यक्षमता और सक्रियता अपेक्षा के अनुरूप नहीं है।

# बैतूल में शराब छुड़ाने के नाम पर पिलाया मौत का काढ़ा, 2 की गई जान, 5 गंभीर

बैतूल। चिचोली थाना क्षेत्र के राजा बैठक ढाना गांव में बुधवार को शराब की लत छुड़ाने के नाम पर पिलाया गया काढ़ा (जड़ी-बूटियों का घोल) सात युवकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। काढ़ा पीने के बाद उन्हें उल्टियां हुईं और वे बेहोश होने लगे। चिचोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत पाठाखेड़ा के राजा बैठक ढाना में ओझा पूरते नामक बाबा करीब दो वर्षों से शराब की लत छुड़ाने के लिए लोगों को काढ़ा पिला रहा था। बुधवार को आठेर, चिचोली और सारनी समेत अन्य जगहों से पहुंचे लोगों को भी उसने काढ़ा पिलाया। इसके बाद देहगुड़ निवासी रामकिशोर झोड़ (35) और मलाजपुर के इमली ढाना निवासी संजय उईके (22) की मौत हो गई। जबकि, मोहन अमस्ते (30), संजय इवने (22), राकेश उईके (17), विजय उईके (26) और रामदास अहाके (26) का इलाज जारी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने दवा में जहरीली पदार्थ होने की आशंका जताई है। वहीं तहसीलदार श्याम सिंह उईके ने मौके पर लोगों के बयान दर्ज किए।

# मप्र में 34 लाख कटे वोटरों का घर-घर जाकर कांग्रेस सांसद-विधायक करेंगे सत्यापन

भोपाल। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान में 34,25,078 मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। कांग्रेस अब इन मतदाताओं का 22 से 30 नवंबर तक अभियान चलाकर सत्यापन कराने जा रही है। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर एक-एक वोट रक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं, जो बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ मंडलम अध्यक्ष भी हो सकते हैं। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी मतदाताओं का सत्यापन करने घर-घर जाना होगा। प्रतिदिन सत्यापन की रिपोर्ट www.iamvoterakshak.in पर दर्ज करनी होगी। इसके निष्कर्षों के आधार पर वोट चोरी को लेकर विधानसभा, लोकसभा और प्रदेश स्तर की रिपोर्ट तैयार करके निर्वाचन आयोग को सौंपी जाएगी। कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे 'वोट बचाओ-देश बचाओ' कार्यक्रम के तहत अब दिल्ली में प्रदर्शन करने के स्थान पर राज्यों में गतिविधियां संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें संविधान रक्षा मार्च 26 नवंबर को होगा। इसके पहले 22 नवंबर से एसआइआर में हटाए गए मतदाताओं के सत्यापन का अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए मंडलम के अध्यक्ष प्रत्येक बूथ पर वोट रक्षक बनाएंगे। इसमें बीएलए, बूथ कमेटी के सदस्य रहेंगे। इस पूरे अभियान की निगरानी केंद्रीय संगठन अपने पर्यवेक्षकों के माध्यम से करेगा।

# छत्तीसगढ़ में बरी होने के बाद 7 साल जेल में रहा आदिवासी

मोहला। हत्या के मामले में हाईकोर्ट से बरी होने के बावजूद एक आदिवासी को सात साल, तीन महीने और 29 दिन तक जेल में रहना पड़ा। प्रशासनिक लापरवाही के इस गंभीर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शासन को बड़ा झटका देते हुए मुआवजे की राशि दो लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी है। कोर्ट ने इसे संस्थागत विफलता बताते हुए चार साहाब के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है। मामला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड के हाड़ीटोला निवासी देवीलाल गोंड का है। उसे सात दिसंबर 2012 को हत्या के आरोप में अंबागढ़ चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। राजनांदगांव सत्र न्यायालय ने 14 अगस्त 2013 को उसे दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद उसे केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया। सजा के खिलाफ अपील पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 20 जनवरी 2018 को देवीलाल को बरी कर दिया था।

### पहला टेस्ट मैच वेलिंग्टन में कल सुबह 3:30 बजे से खेला जाएगा

# न्यूजीलैंड में 17 साल का सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम



**वेलिंग्टन,एजेंसी।** न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज जीतने के बाद अब भारत की असली परीक्षा टेस्ट सीरीज में होने वाली है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर गुरुवार को तड़के सुबह 3:30 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम न्यूजीलैंड में 17 साल से न तो टेस्ट सीरीज जीती है और न ही कोई टेस्ट मैच जीत सकी है। भारत ने न्यूजीलैंड में पहली टेस्ट सीरीज 1967-68 में खेली थी।

जिसमें टीम इंडिया ने 3-1 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद लगातार चार सीरीज हारने के बाद भारत ने न्यूजीलैंड में 2008-09 में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीती, लेकिन 17 साल से भारतीय टीम न्यूजीलैंड में सीरीज जीतने का सूखा झेल रही है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में छह मुख्य बल्लेबाजों के साथ उतर सकती है। जिसमें यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत, कप्तान शुभमन गिल ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल खेलेंगे। वहीं रवींद्र जडेजा के रूप में भारत सिर्फ इकलौते ऑलराउंडर के साथ मैदान पर उतर सकता है। कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि वो चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतर सकते हैं। ऐसे में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिल सकता है। वहीं वनडे सीरीज में अपने बाउंसर से कीवी खिलाड़ियों के परेशान करने वाले गुरनूर बराड़ को भी टीम में एंट्री मिल सकती है। वहीं अंशुल कंबोज को भी मौका दिया जा सकता है।

### 3 पेसर और 1 बॉलिंग ऑलराउंडर के साथ उतरेगा न्यूजीलैंड



कप्तान टॉम लैथम ने बताया कि न्यूजीलैंड अपनी प्लेइंग इलेवन में 3 तेज गेंदबाज और एक बॉलिंग ऑलराउंडर को खिला सकता है। 3 तेज गेंदबाजों में जैकब डफी जैमीसन और मैट हेनरी हो सकते हैं। वहीं बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर नाथन स्मिथ का नाम हो सकता है। टीम की ओपनिंग जोड़ी कप्तान टॉम लैथम और डेवन कॉनवे होंगी। वहीं हेनरी निकल्स, रचिन रवींद्र और डैरिल मिचेल टीम के मिडिल ऑर्डर को मजबूती देते दिखेंगे।

### दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार हैं....

**न्यूजीलैंड :** टॉम लैथम (कप्तान), डेवन कॉनवे, हेनरी निकल्स, रचिन रवींद्र, डैरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी। **भारत :** यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, गुरनूर बराड़/अंशुल कंबोज, मो. सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा।

### न्यूजीलैंड में अब तक सिर्फ 5 टेस्ट मैच जीत सका है भारत

न्यूजीलैंड में दोनों टीमों के बीच कुल 10 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं, जिनमें से भारतीय टीम सिर्फ दो और कीवी टीम ने 6 टेस्ट सीरीज जीती हैं। जबकि दो ड्रॉ रही हैं। वहीं, न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को महज 5 मैचों में ही जीत नसीब हो सकी है। वहीं, 10 मैचों में मेजबान न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की है।

## धोनी ने संन्यास के साथ ही भावुक पोस्ट साझा की

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास के अवसर पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भावुक नजर आये। धोनी शुरुआत से ही सीएसके से जुड़े रहे हैं जिससे उनका टीम और प्रशंसकों से भावनात्मक लगाव हो गया था। वह अब सीएसके के साथ मेंटॉर की भूमिका में जुड़े रहेंगे। धोनी 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही सीएसके का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और अपनी कप्तानी में टीम को पांच बार आईपीएल का खिताब दिला चुके हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।



अपने संन्यास की घोषणा के साथ ही धोनी ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में एक मार्मिक वीडियो है जिसमें उन्होंने अपने टीम के साथियों और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताए यादगार पलों की तस्वीरें सजायी हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में एक पुराना गीत में पल दो पल का शायर हूं बज रहा है, जो उनकी भावनाओं को बखूबी बयां करता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है कि प्रशंसकों ने मुझे गलत साबित कर दिया है, और इसे मानने के लिए इससे अच्छा गाना कोई नहीं हो सकता। शायद दो वर्जन इसलिए बनाए गए, ताकि मैं गलती कर सकूं और फिर उसे मान सकूं। यह पोस्ट धोनी के लिए इस फैसले की गंभीरता और मुश्किल को दिखाती है। उनके इस अंदाज ने एक बार फिर साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिए उनके अचानक संन्यास की याद दिला दी है, जब उन्होंने केवल एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सबको हैरान किया था। गौरतलब है कि धोनी केवल एक कप्तान या बल्लेबाज नहीं थे, बल्कि वह मैदान पर एक रणनीतिकार, शांत स्वभाव के योद्धा और प्रेरणास्रोत थे। उनकी कप्तानी में सीएसके ने कई ऐसे असंभव लगने वाले मैचों को जीता, जहां जीत की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी होती थी। उनकी करिश्माई शख्सियत और नेतृत्व की बदौलत ही सीएसके आईपीएल में एक अलग मुकाम हासिल कर पाई और दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के दिलों में अपनी खास जगह बनाई।

### धोनी ने आईपीएल से की है 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई

मशहूर क्रिकेटर एवं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल को अलविदा कह दिया है। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ करीब दो दशक से जुड़े हुए थे। हालांकि धोनी इस टीम के साथ मेंटर की नई जिम्मेदारी के साथ जुड़े रहेंगे। धोनी की गिनती सबसे अमीर भारतीय क्रिकेटरों में होती है और आईपीएल के जरिए भी उन्होंने मोटी कमाई की है। महेंद्र सिंह धोनी ने 2008 में आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग के साथ खेलना शुरू किया था और अब आईपीएल से अलग होने का ऐलान किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धोनी की नेटवर्थ करीब 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जाती है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा उनकी आईपीएल से होने वाली कमाई का है।

## अर्शदीप और बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंग्लैंड के बल्लेबाज जैमि बैंटन ने लंबी छलांग लगायी है। वहीं कुछ दिग्गज खिलाड़ी अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखने में सफल रहे हैं।आईसीसी की एकदिवसीय और टेस्ट रैंकिंग में कई खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर जबरदस्त सुधार किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले अर्शदीप सिंह 12 स्थान ऊपर गेंदबाजी की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं और इस सप्ताह सबसे अधिक सुधार करने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। एकदिवसीय प्रारूप में ही अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर आकर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद शीर्ष 10 में वापसी की है। वह चार स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर आ गए हैं।

वहीं बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के टॉम बैंटन को बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 99 गेंदों पर 121 रन की शतकीय पारी खेली थी, जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की। बैंटन की इस पारी से उन्हें बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान का लाभ मिला है जिससे वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंचा दिया है। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद दो स्थान ऊपर आकर नौवें नंबर पर आ गए हैं और शीर्ष 10 में वापस आ चुके हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।

इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई रोमांचक टेस्ट सीरीज, जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता, ने भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार किया है। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रेम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

## रोहित-कोहली अब एक माह बार श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

मुम्बई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अब अगले माह दिसंबर में ही खेलते नजर आयेंगे। इसका कारण है कि ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं जिसमें अब भारतीय टीम को अगले माह श्रीलंका से खेलना है। विराट और रोहित ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में खेला था पर ये दोनो ही रन बनाने में असफल रहे जिससे इनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। अब प्रशंसकों की नजरें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज पर लगी हैं। अभी भारतीय टीम न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेल रही है और इसी कारण विराट और रोहित को एक माह का ब्रेक मिला है। ये दोनो ही । दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज वापसी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे में विराट चार पारियों में कुल 86 रन ही बना पाये जिसमें एक अर्धशतकीय पारी 74 रन भी शामिल थी। इसके बाद वह बाकि चार मैचों में केवल कुछ ही रन बना पाये। वहीं रोहित का प्रदर्शन इससे भी निराशाजनक रहा, जिन्होंने चार पारियों में केवल 30 रन बनाए और दो बार वह शून्य पर ही आउट हो गये।

न्यूजीलैंड सीरीज के समापन के साथ ही इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लगभग एक महीने का आराम मिल गया है। जिसमें से अपनी लय हासिल करने पर काम कर सकते हैं। श्रीलंका की टीम



भारत दौरे पर तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 13 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगी, जिसके बाद अगले दो मुकाबले 16 दिसंबर को बेंगलुरु और 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इसके बाद 22 दिसंबर से टी20 सीरीज का आगाज होगा। हालांकि इसमें, रोहित और कोहली की उपलब्धता उनकी फिटनेस और चयन समिति के फैसले पर निर्भर करेगी।

रोहित के लिए श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलना हमेशा खास रहा है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड बेहद शानदार है, उन्होंने 55 वनडे मैचों में 45.93 की औसत से 2021 रन बनाए हैं। उनके नाम एकदिवसीय क्रिकेट में दर्ज तीन दोहरे शतकों में से दो श्रीलंका के खिलाफ ही आए हैं। इतना ही नहीं, एकदिवसीय में उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 264 रन भी श्रीलंका के खिलाफ आया था।

भारत और श्रीलंका की पिछली एकदिवसीय सीरीज अगस्त 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम को निराशा हाथ लगी थी। उस सीरीज का पहला मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ था, जबकि अगले दोनों मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में घरेलू मैदान पर रोहित और कोहली जैसे दिग्गजों की वापसी के साथ, भारतीय टीम के पास श्रीलंका से पिछली हार का हिसाब बराबर करने और सीरीज जीतने का अच्छा अवसर होगा। प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि इस ब्रेक से दोनी दिग्गज अपनी लय हासिल कर लेंगे।

### श्रीलंका के भारत दौरे का कार्यक्रम

13 दिसंबर- पहला वनडे, विशाखापत्तनम, दोपहर 2:00 बजे
16 दिसंबर- दूसरा वनडे, बेंगलुरु, दोपहर 2:00 बजे
19 दिसंबर- तीसरा वनडे, अहमदाबाद, दोपहर 2:00 बजे
22 दिसंबर- पहला टी20, राजकोट, शाम 7:00 बजे
24 दिसंबर- दूसरा टी20, कटक, शाम 7:00 बजे
27 दिसंबर- तीसरा टी20, पुणे, शाम 7:00 बजे

## बंगाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में झारखंड को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली। कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और अभिषेक पोरेल की शानदार बल्लेबाजी से बंगाल ने गत चैंपियन झारखंड को घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के एक अहम मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में बिहार ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जबकि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की। बंगाल और झारखंड के बीच रुप ए के बीच हुए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की टीम 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर केवल 148 रन ही बना सकी। उनकी ओर से विराट सिंह ने 37 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए, जबकि शिखर मोहन ने 42 रन बनाये। इसके बाद 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ने 48 गेंदों में 61 रनों की अच्छी अर्धशतकीय पारी खेली, वहीं अभिषेक पोरेल ने भी 49 रनों का योगदान दिया। इन पारियों की बदौलत बंगाल ने मात्र 18.4 ओवर में 3 विकेट खोकर आसानी से ये मुकाबला जीत लिया। वहीं दिन के एक अन्य मुकाबले में बिहार ने पंजीकृत लगातार दूसरी जीत दर्ज की। बिहार ने दिल्ली के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाये।

## सात्विकसाईराज और चिराग हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे

कॉन्लुन । भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने हांगकांग ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। सात्विकसाईराज और चिराग ने यहां खेले गये पहले पहले दौर के मुकाबले में चीनी ताइपे के ली जे-हुई और यांग पो-स्युआन को कड़े मुकाबले में 15-21, 21-17, 28-26 से हराया। ये मुकाबला एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इससे सात्विक और चिराग ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग का लगातार अजेय रहने का रिकॉर्ड 8-0 हो गया है।

## पहले टेस्ट के लिए लैथम ने बताई न्यूजीलैंड की रणनीति

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान टॉम लैथम ने भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए वेलिंगटन में टीम की रणनीति का खुलासा किया है। लैथम ने बताया कि टीम तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के पास पूरी सीरीज में अपने तेज गेंदबाजों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। साथ ही कहा कि टीम फिलहाल बहुत आगे की सोचने की बजाय शुरुआती टेस्ट पर अपना पूरा ध्यान दे रही है ।

लैथम ने कहा, हम तीन तेज गेंदबाज और एक गेंदबाजी ऑलराउंडर उतारेंगे। हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास कई तेज गेंदबाज हैं जो लगभग पूरी तरह से फिट हैं। यह पहले से योजना बनाना मुश्किल है कि कौन से खिलाड़ी किस मैच में खेलेंगे, हम देखेंगे कि मैचों के दौरान क्या होता है और कार्यभार के मामले में थोड़ा लचीला रहें। हम अगले छह या सात हफ्तों में यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि यह कैसा दिखता है, लेकिन जाहिर है कि हमारा मुख्य ध्यान फिलहाल भारत के खिलाफ पहले टेस्ट पर है।

लैथम ने यह भी साफ किया कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका पर उनका ध्यान नहीं रहेगा। साथ ही कहा कि उनका ध्यान उसी पर रहेगा जिस पर उनका नियंत्रण है।

## भारतीय टीम ने पाक को हराकर 10 वीं बार सैफ खिताब जीता

ढाका । भारतीय फुटबॉल टीम ने ढाका में हुए दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) खिताब को रिकॉर्ड 10वीं बार जीता है। भारतीय टीम ने एक संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराया। भारतीय टीम के लिए ये जीत इसलिए भी अहम थी क्योंकि उसने से जीत प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी टीम से हासिल की।



इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार ये खिताब जीता है।

इस मुकाबले की शुरुआत में ही पाक टीम ने एक गोल की बढ़त बना ली।

पहले हाफ में पाक टीम हावी रही। आलमगीर गाजी ने 46 वें मिनट में डंजरी टाइम में एक गोल कर पाक टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी

पाकिस्तान को 59वें मिनट में रेड कार्ड की वजह से एक खिलाड़ी के बाहर होने के कारण 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जिसका फायदा भारतीय टीम ने उठाया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम लय में आ गयी और उसने पाक पर पलटवार शुरु कर दिये। भारतीय टीम ने एक के बाद एक हमले कर दबाव बनाये रखा हालांकि टीम गोल नहीं लाग पायी। भारतीय टीम को ओर से 60वें मिनट में सुहेल अहमद ने शानदार गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद संदीप नंदी ने 88वें मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी जो अंत तक बरकरार रही। पाक टीम ने बराबरी के लिए कई प्रयास किये और खिलाड़ियों में बदलाव करते हुए 64वें मिनट में आलमगीर गाजी और अब्दुल इजबाल को मैदान से बाहर बुलाया गया और दूसरे खिलाड़ियों को भेजा गया पर इसके बाद भी भारतीय रक्षापंक्ति को भेद नहीं पाये।

## अब ओलंपिक पदक पर है भारतीय हॉकी टीम की नजरें

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का लक्ष्य अब लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं है। इसके लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति को और बेहतर बनाना होगा। ये सही है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में एशिया में अपनी श्रेष्ठता को बार-बार साबित किया है, लेकिन जब बात दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबले की आती है, तो उसका प्रदर्शन कई बार लड़खड़ा गया है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने एशियाई दबदबे को वैश्विक मंच पर सफलता में बदलने की है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 को लक्ष्य में रखते हुए, हॉकी इंडिया को अपनी तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा और एक समग्र तथा आक्रामक खाका तैयार करना होगा।

भारत का एशिया में वर्चस्व बना हुआ है, लेकिन उसकी असली और कठिन परीक्षा हमेशा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर ही होती है। 2028 ओलंपिक तक पहुंचने वाले हर प्रशिक्षण सत्र, हर टेस्ट सीरीज और प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले का एकमात्र उद्देश्य भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने वाली टीमों के स्तर तक पहुंचाना होना चाहिए। यह केवल शारीरिक कौशल का मामला नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, दबाव में निर्णय लेने और उच्च-स्तरीय रणनीति को लागू करने का भी है।

एफआईएच की विश्व रैंकिंग इस अंतर को दिखाती है। जर्मनी, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स शीर्ष पांच स्थानों पर मजबूती से काबिज हैं, जबकि भारतीय टीम आठवें नंबर पर संघर्ष करती दिखती है। बेशक, भारत एशिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है, लेकिन पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहने भर से विश्व स्तर पर सफलता की गारंटी नहीं मिल सकती। वैश्विक हॉकी परिदृश्य में अपनी जगह बनाने के लिए हमें इस मानसिकता से ऊपर उठना होगा।

हॉकी विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि भारतीय टीम को जर्मनी, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने की आवश्यकता है। ऐसी टीमों के साथ अधिक टेस्ट सीरीज और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने से भारतीय खिलाड़ियों की विभिन्न खेल शैलियों, तेज गति के खेल, निरंतर दबाव और उच्च स्तर की रणनीतिक समझ का बहुमूल्य अनुभव मिलेगा। यह अनुभव उन्हें कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।लॉस एंजिल्स 2028 के लिए भारतीय हॉकी को अभी से अपनी रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। इसमें केवल सीनियर टीम ही नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के विकास और अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को तैयार करने पर भी विशेष जोर देना होगा।


**निविदा आमंत्रण सूचना**
**कार्यालय कार्यपालन यंत्री,**
**राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग–जबलपुर**
**माधवराव सप्रे मार्ग,(मुख्य मार्ग क्रमांक–03) भोपाल (म0 प्र0)462003**

नि.आ.सू. क्रं 08/एन.एच.एम/सं.ज./2026–27/1240 भोपाल दिनांक 16/11/2026

**निविदा आमंत्रण सूचना**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग–जबलपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन(निविदा ई–टेन्डरिंग के माध्यम)से(www.mptenders.gov.in)(Department of Directorate of Health Services)तीन लिफाफाप्रणाली से प्रथम "अ" फार्म में एसडीएच बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों हेतु आमंत्रित किया जाता है। कार्य पी.आई.यू.लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर.01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित)दरों पर आमंत्रित की जाती है।निविदा का विवरण निम्नानुसार है:

ई–निविदा सूचना क्रमांक 08/2026–27 दिनांक 16.11.2026

| क्र. | टेण्डर नं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि (लाख में) | धरोहर राशि रु. | टेण्डर शुल्क रु. | कार्य हेतु समयावधि दिवस |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2025_DHS_549634 | जिला बालाघाट के विकासखण्ड बिरसा एवं बैहर में 07 उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों(कुण्डेकाला,आंडोरी, लालपुर, कोरंगा, कोयापार,नवडीलटरी(एवं बम्हनी) मय सीएचओ आवासगृह सहित (सेनेटरी सिटिंग विद्युतीकरण नलजुए उपचन एवं बाउण्ड्रीवाल इत्यादि) के निर्माण कार्य। | 385.56 | 385560.00 | 15000.00 | 12 माह |

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी.मेक्समेट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 18.11.2026 प्रातः10.30 से दिनांक 02.12.2026 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट ट्रेजरी सोसायटी,एम.एच.एम भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट(http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नही दिया जावेगा।
5. निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त किये जाने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

जी–21668/26

कार्यपालन यंत्री 16/11/26
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग–जबलपुर

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

### सुप्रीम कोर्ट ने 11 साल की देरी पर नोटिस जारी कर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

# जजों की नियुक्ति के नियम कब होंगे तय?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति से जुड़े नियमों में देरी को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। मामला संशोधित मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर को अंतिम रूप देने का है। दरअसल, यह दस्तावेज तय करता है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति किस प्रक्रिया से होगी। इसे करीब 11 साल से अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ कर रही है। यह याचिका एनजीओ लोक प्रहरी ने दायर की है। याचिका में जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी बनाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच कई बार बातचीत और पत्राचार हो चुका है। इसके बावजूद नियुक्ति के नए नियमों पर सहमति



नहीं बन पाई है। करीब 11 साल बीतने के बाद भी संशोधित रुझक को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि जजों के पद के लिए उम्मीदवारों को चुनने और उनका मूल्यांकन करने के साफ नियम होने चाहिए। वे नियम आम लोगों के लिए भी उपलब्ध होने चाहिए। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि जजों की नियुक्ति किस आधार पर की जाती है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसलों और उसके कामकाज को सुचना के अधिकार कानून के दायरे में लाने की मांग भी की गई है।

दरअसल, इस पूरे विवाद की शुरुआत 16 अक्टूबर 2015 से हुई थी। उस दिन सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। इसके साथ ही जजों की नियुक्ति की पुरानी कॉलेजियम व्यवस्था फिर से लागू हो गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कॉलेजियम व्यवस्था में सुधार और ज्यादा पारदर्शिता लाने की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह भारत के मुख्य न्यायाधीश से सलाह लेकर नियुक्ति से जुड़े मौजूदा नियमों में बदलाव करे।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को कई बार प्रस्ताव भेजे। लेकिन कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। इसी वजह से नया मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर अब तक लागू नहीं हो पाया है। यह मामला दिसंबर 2015 से लंबित है। इससे पहले 2 नवंबर 2026 को जस्टिस पीएस नरसिम्हा ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। उन्होंने बताया था कि वह पहले राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग मामले में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के तौर पर पेश हो चुके थे। इसलिए वह इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते थे। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। इस मामले में आगे की सुनवाई के दौरान नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और नए नियमों को अंतिम रूप देने का मुद्दा अहम रहेगा।

#### केंद्र और कॉलेजियम के बीच नहीं बनी सहमति

इसके बाद केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के बीच नए नियमों के मसौदे पर बातचीत हुई।

## महाराष्ट्र में लिफ्ट और एस्केलेटर सेफ्टी को लेकर कड़े नियम लागू

मुंबई। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने लिफ्ट और एस्केलेटर सेफ्टी को लेकर कड़े नियम लागू किए हैं। अब 12 साल से कम उम्र के बच्चे किसी वयस्क की देखरेख के बिना लिफ्ट या एस्केलेटर का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। नियमों की अनदेखी पर बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स के लिफ्ट लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र लिफ्ट, एस्केलेटर और मूविंग वॉक नियम, 2026 को अधिसूचित किया है, जिनमें लिफ्ट, एस्केलेटर और मूविंग वॉक के लिए सुरक्षा, रखरखाव और लाइसेंसिंग से जुड़े कड़े नियम लागू किए गए हैं।

इन नियमों के तहत 18 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को लिफ्ट ऑपरेटर के रूप में काम पर रखने पर रोक लगाई गई है। ये नियम रखरखाव और सुरक्षा के लिए बिल्डिंग मालिकों और उपकरणों के मालिकों पर अधिक जिम्मेदारी डालते हैं। साथ ही यह अनिवार्य कर दिया गया है कि अधिकृत ठेकेदार महीने में कम से कम एक बार लिफ्ट, एस्केलेटर और मूविंग वॉक का निरीक्षण करें और उनका रखरखाव करें। इसके अलावा, लाइसेंसधारी या अधिकृत ठेकेदार द्वारा इन लिफ्ट का सालाना ऑडिट और परीक्षण किया जाना चाहिए और इसकी रिपोर्ट इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर को सौंपी जानी चाहिए।

नए नियमों में लिफ्ट के लिए कुछ अतिरिक्त सुरक्षा फीचर्स भी शामिल किए गए हैं, जैसे सीसीटीवी, ऑटोमैटिक रेस्क्यू डिवाइस और ओवरलोड प्रोटेक्शन डिवाइस, जिन मौजूदा लिफ्टों में ये सिस्टम नहीं हैं, उनमें नियमों के लागू होने के एक साल के अंदर इन्हें लगवाना अनिवार्य होगा। नया नियम दुर्घटना की रिपोर्ट करने के लिए एक समय-सीमा भी तय करता है। किसी भी दुर्घटना की जानकारी 24 घंटे के अंदर इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर और पुलिस को दी जानी चाहिए। नियमों में बताया कि इसीमाल में न आने वाली लिफ्ट, एस्केलेटर और मूविंग वॉक को कैसे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। मालिकों को या तो इन उपकरणों को हटा देना चाहिए, या फिर बिजली का कनेक्शन काटकर यह तय करना चाहिए कि वे सुरक्षित यांत्रिक स्थिति में हों।

बंद पड़े एस्केलेटर और मूविंग वॉक को सीढ़ी या पैदल रास्ते की तरह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। आपातकाल में तुरंत मदद के लिए लिफ्ट मेंटेनेंस वाले ठेकेदारों को अपने ऑफिस पर 24 घंटे कॉल सेवा देनी होगी, ताकि शिकायत और इमरजेंसी कॉल पर फौरन जवाब मिल सके।

लाइसेंस के नियम अब सख्त हैं। लिफ्ट, एस्केलेटर या मूविंग वॉक चलाने का लाइसेंस तभी मिलेगा जब वे नेशनल बिल्डिंग कोड, भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों और अन्य संबंधित कानूनों के मुताबिक लगे हों। लाइसेंस लेने वाले कोई ऐसा बदलाव नहीं कर सकते जिससे मशीन की सुरक्षा कम हो, उसका सही काम बिगड़े या लोगों की जान को खतरा हो।

## भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और मजबूत पूंजी बाजार- पीएम मोदी

नई दिल्ली। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंजेस (डब्ल्यूएफई) की 65वीं जनरल असेंबली और वार्षिक बैठक के आयोजन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, और इसका पूंजीगत बाजार भी लगातार बेहतर हो रहा है। उन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और डब्ल्यूएफई को बधाई दी, साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी वैश्विक प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस प्रगति के साथ-साथ, हमारा पूंजीगत बाजार भी अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। यह कंपनियों को पूंजी जुटाने, अपने परिचालन का विस्तार करने और नए विकास मौकों का लाभ उठाने में सक्षम बना रहा है। म्यूचुअल फंड्स जैसे निवेश माध्यमों के जरिए देश में निवेश का स्तर ऐतिहासिक ऊँचाई पर पहुंच चुका है, जो बेहद उत्साहजनक है। अधिक से अधिक नागरिक अब बाजारों का हिस्सा बन रहे हैं, जिससे उन्हें देश की आर्थिक प्रगति में सीधे भागीदार बनने का मौका मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी वित्तीय प्रणाली को अधिक समावेशी और कुशल बनाने की दिशा में अथक प्रयास किए हैं। बैंकिंग, बीमा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के व्यापक विस्तार ने लाखों नागरिकों को औपचारिक वित्तीय तंत्र से जोड़ा है। हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें जैम ट्रिनिटी और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं, ने यह साबित किया है कि तकनीक किस तरह बड़े पैमाने पर वित्तीय सेवाओं की पहुंच को क्रांतिकारी रूप दे सकती है। बाजार के बुनियादी ढांचे में तकनीक- आधारित सुधारों और निवेश प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच ने भी पूंजी बाजारों में आम जनता की भागीदारी को बढ़ावा दिया है। भारत का यह अनुभव दर्शाता है कि वित्तीय समावेशन और वित्तीय नवाचार किस प्रकार एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वित्तीय दुनिया में बड़े बदलाव हो रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य नई प्रौद्योगिकियां बाजारों के कामकाज के तरीके को बदल रही हैं, जिससे नए मौके पैदा हो रहे हैं। हालांकि, इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, बाजार की निष्पक्षता और निवेशकों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न भी खड़े हो रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही तकनीक बाजारों की विकास दर तय करे, लेकिन इस पूरे तंत्र के दीर्घकालिक विकास में भरोसा हमेशा सबसे महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा।

## फोन-पे और केरल स्टार्टअप मिशन की साझेदारी- राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिलेगी ताकत

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म फोनपे ने केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, इसका उद्देश्य राज्य के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना है। केरल के मुख्यमंत्री पी.वी. सतीशन की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के माध्यम से, फोनपे का लक्ष्य केरल के शुरुआती और विस्तार कर रहे स्टार्टअप्स के लिए एक भरोसेमंद विकास भागीदार बनना है, जो उन्हें मजबूत और विश्वसनीय डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर देगा।

यह साझेदारी केरल स्टार्टअप मिशन में पंजीकृत स्टार्टअप्स को तीन प्रमुख क्षेत्रों में सहायता प्रदान करेगी। सबसे पहले, उन्हें फोनपे पेमेंट गेटवे के माध्यम से उच्च सफलता दर वाले डिजिटल भुगतान समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें वे अपने प्लेटफॉर्म, ऐप और वेबसाइट में आसानी से एकीकृत कर सकते हैं। दूसरा, स्टार्टअप्स को इकोसिस्टम और ग्रोथ सपोर्ट मिलेगा, जिसमें फोनपे द्वारा समर्पित ऑनबोर्डिंग सहायता और प्रायमिकता के आधार पर तकनीकी सहयोग शामिल है, जिससे एकीकरण प्रक्रिया बेहतर होगी। तीसरा, नवाचार और मेंटरशिप को बढ़ावा देने के लिए, फोनपे और केएसयूएम संयुक्त रूप से कार्यशालाओं और ज्ञान-साझाकरण सत्रों का आयोजन करेगा, जो संस्थापकों को डिजिटल कॉमर्स, फिनटेक इंटीग्रेशन और व्यवसाय विस्तार से जुड़े व्यावहारिक अनुभव और सुझाव प्रदान करेगा।

फोनपे में पेमेंट्स के प्रमुख, दीप अग्रवाल ने कहा कि केरल तकनीकी नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और फोनपे विकास यात्रा में भागीदार बनकर उत्साहित है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को जटिलताओं को सरल बनाना है, ताकि उद्यमी उत्पाद विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। केरल स्टार्टअप मिशन के सीईओ अनूप अंबिका ने साझेदारी को स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि उनका संगठन एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां स्टार्टअप्स पनप सकें, विस्तार कर सकें और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। अंबिका ने उल्लेख किया कि तेज और भरोसेमंद भुगतान अवसंरचना के साथ-साथ व्यावहारिक मार्गदर्शन मिलने से स्टार्टअप संस्थापकों की परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, जिससे वे नवाचार की गति बढ़ा सकेंगे और अपने ग्राहकों को बेहतर डिजिटल अनुभव प्रदान कर पाएंगे।

## तेलंगाना कांग्रेस में अंदरूनी कलह तेज, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी सरकार; ओबीसी नेताओं ने मांगा डिप्टी सीएम का पद

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार को पार्टी के ही विधायकों की खुली आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। विकास कार्यों के लिए फंड आवंटन में भेदभाव, अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप और सत्ता में हिस्सेदारी की मांग ने पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ा दी है।

ताजा विवाद मुनुगोड़े से कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के बयान से शुरू हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर विकास निधि के आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान केवल कोर्गल और माधिगा जैसे क्षेत्रों पर नहीं होना चाहिए। पिछड़े इलाकों को भी उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए।

## राहुल गांधी ने शिव-पार्वती की तस्वीर साझा की अब छिड़ गई नई बहस

### कांग्रेस नेता ने अपने माता-पिता के निजी संबंधों पर दिया था बयान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने अपने माता-पिता के निजी संबंधों पर दिए गए बयान को सही ठहराने के लिए सोशल मीडिया पर शिव-पार्वती की एक तस्वीर साझा की है, जिसके बाद एक नई बहस छिड़ गई है। यह बयान उन्होंने अपनी मां की पुस्तक बिलीविंगः ए जर्नी ऑफ लव के विमोचन पर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर बार खाना खाते समय मां, पिता की गोद में होती थीं। उन्होंने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा था कि जब वह अपने दोस्तों के यहां जाते थे और वहां ऐसा नहीं देखते थे, तो उनसे पूछते थे कि तुम्हारी मां, तुम्हारे पापा की गोद में क्यों नहीं बैठती?

इस बयान को एक वरिष्ठ बीजेपी नेता समेत अन्य नेताओं और प्रवक्ताओं ने सार्वजनिक जीवन में अत्यधिक निजी पारिवारिक बातों के रूप में आलोचना की थी, जिससे इस पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आईं। कांग्रेस नेता ने जो तस्वीर साझा की है, वह कर्नाटक के हलेबिडु स्थित होयसलेश्वर मंदिर की 12वीं सदी की एक प्रतिमा है, जिसमें भगवान शिव, देवी पार्वती को प्रेमपूर्ण मुद्रा में आपनी गोद में लिए हुए नंदी पर विराजमान नजर आ रहे हैं। होयसल वंश द्वारा निर्मित यह मंदिर अपनी अद्वितीय कला और स्थापत्य की वजह से यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल है। तस्वीर के साथ अपने संदेश में, कांग्रेस नेता ने बीजेपी और आरएसएस पर भय, क्रोध और घृणा से भरे होने का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा- एक सच्चे हिंदू के रूप में, यह मेरा कर्तव्य है कि मैं उन्हें इस जाल से मुक्त करूं, ताकि वे भी अपने जीवन में प्रेम और अपनेपन की असीम सुंदरता और आनंद का अनुभव कर सकें। सत्यम शिवम सुंदरम। इसके जवाब में, एक बीजेपी नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि साधारण मनुष्यों की तुलना शिव और पार्वती से करना भक्ति नहीं है। यह एक ऐसा अहंकार है, जो इतना बढ़ गया है कि व्यक्ति खुद को ही दिव्य मानने लगा है। यह घटना व्यक्तिगत जीवन की अभिव्यक्ति, धार्मिक प्रतीकों के उपयोग और राजनीतिक आलोचना के बीच एक जटिल संवाद को जन्म देती है।

## टोल पार करते ही इंश्योरेंस की चेतावनी, एनएचएआई का नया सिस्टम शुरू

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस की वैधता सुनिश्चित करने के लिए अभिनव प्रणाली शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत, अब टोल प्लाजा पार करते ही वाहन मालिकों को अपने इंश्योरेंस स्टेटस से जुड़ा एक एसएमएस प्राप्त हो सकता है। अगर आपके वाहन का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस समाप्त हो गया है या आपने इंश्योरेंस नहीं कराया है, तब यह एसएमएस आपको सूचित करेगा। यह पहल फिलहाल दिल्ली के अर्बन एक्सटेंशन रोड-टू (यूईआर-टू) पर स्थित मुंडका टोल प्लाजा पर एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, इस जल्द ही देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू करने की योजना है। यह सिस्टम टोल प्लाजा और नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के वाहन डेटाबेस के बीच डेटा साझाकरण पर आधारित है। जैसे ही कोई वाहन टोल प्लाजा से गुजरेगा, उसकी जानकारी तत्काल वाहन डेटाबेस को भेजी जाएगी। सिस्टम स्वचालित रूप से वाहन के इंश्योरेंस की वैधता की जांच करेगा। यदि जांच में पता चलता है कि वाहन का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस वैध नहीं है, तब वाहन मालिक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर तुरंत एक एसएमएस भेजा जाएगा। इस मैसेज में वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर, टोल प्लाजा पार करने का समय और इंश्योरेंस की समाप्ति तिथि जैसी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल होगी, साथ ही इंश्योरेंस को तत्काल नवीनीकृत कराने की सलाह भी दी जाएगी।

एनएचएआई का यह कदम वाहन चालकों को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अनिवार्य थर्ड पार्टी इंश्योरेंस को समय पर रिन्यू कराने के लिए सचेत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार, यह एक रिमाइंडर नोटिफिकेशन का काम करेगा, जिससे वाहन मालिक संभावित भारी जुर्माने से बच सकें। भारत में बिना वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के वाहन चलाना कानूनन अपराध है। इसके बाद वाहनों के सड़क पर चलने से दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को मुआवजा मिलने में कठिनाई होती है, जिससे सामाजिक और कानूनी जटिलताएं बढ़ती हैं।

मौजूदा मोटर वाहन नियमों के तहत, बिना वैध इंश्योरेंस के वाहन चलाने पर पहली बार पकड़े जाने पर 5,000 रुपये या बेस इंश्योरेंस प्रीमियम का तीन गुना (जो भी अधिक हो) का जुर्माना लग सकता है। दूसरी बार नियम का उल्लंघन करने पर यह जुर्माना बढ़कर 10,000 रुपये या बेस प्रीमियम का पांच गुना (जो भी अधिक हो) हो सकता है। फिलहाल यह प्रणाली अपने परीक्षण चरण में है। शुरुआती परिणामों के आधार पर इसे और बेहतर बनाया जाएगा। इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद, इसे देश के सभी प्रमुख नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर लागू करने की योजना है। इससे न केवल वाहन मालिकों को अपनी इंश्योरेंस की स्थिति याद रखने में मदद मिलेगी, बल्कि सड़कों पर बिना बीमा वाले वाहनों की संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है।

## केरल में कांग्रेस सांसद के करीबी पर 10 लाख रुपये की वसूली का आरोप, डॉक्टर से पैसे लेते कैमरे में कैद; पार्टी ने किया निष्कासित

तिरुवनंतपुरम। केरल में कांग्रेस की उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब पार्टी के एक नेता पर निजी अस्पताल के डॉक्टर से 10 लाख रुपये की वसूली करने का आरोप लगा। आरोपी की पहचान सुहैल शाजहान के रूप में हुई है। वह कांग्रेस सांसद के. सुधाकरन का करीबी बताया जा रहा है। डॉक्टर से पैसे लेते हुए उसका वीडियो भी सामने आया है। गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस ने उसे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया।

मामला केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम का है। पुलिस के मुताबिक, सुहैल शाजहान ने एक निजी अस्पताल के खिलाफ सोशल मीडिया पेज चंगाधिकुडुम पर वीडियो पोस्ट किया था। इसके बाद उसने अस्पताल प्रबंधन से वीडियो हटाने के बदले 10 लाख रुपये की मांग की। आरोप है कि पैसे नहीं देने पर अस्पताल के खिलाफ और आपत्तिजनक खबरें प्रसारित करने की धमकी भी दी गई।

अस्पताल के अध्यक्ष और डॉक्टर सबाहत शिवदासन ने इसकी शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पेट्टा पुलिस ने जाल बिछाया। पुलिस के निर्देश पर डॉक्टर ने आरोपी को पैसे देने के लिए बुलाया। मंगलवार को जब सुहैल अस्पताल पहुंचा और 10 लाख रुपये लिए, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामले में सुहैल समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस उसके अन्य सहयोगियों और किसी गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

वहीं, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने इस घटना को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में राजनीतिक संरक्षण के भरोसे लोगों को धमकाने और वसूली करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

सुहैल का नाम वर्ष 2022 में तिरुवनंतपुरम स्थित ए.के.जी. सेंटर पर हुए हमले के मामले में भी सामने आ चुका है।

## यूपी चुनाव से पहले सपा का कांग्रेस को बड़ा झटका! 2022 में जीती और दूसरे नंबर पर रही सीटें नहीं छोड़ेगी पार्टी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। गठबंधन की बातचीत औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ही दोनों दलों ने अपनी-अपनी शर्तें रखनी शुरू कर दी हैं। समाजवादी पार्टी ने साफ संकेत दिए हैं कि वह 2022 के विधानसभा चुनाव में जीती गई और दूसरे स्थान पर रही सीटें कांग्रेस के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है।

2022 में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि 223 सीटों पर वह दूसरे स्थान पर रही थी। इस तरह कुल 334 सीटों पर सपा अपना दावा मजबूत मान रही है। इन सीटों को छोड़ने के बाद कांग्रेस के पास अधिकतम 69 सीटों का विकल्प बचता है।

## तूफान 'अकवान' आंध्र तट की ओर बढ़ा, एनडीआरएफ की 13 और एसडीआरएफ की 11 टीमें तैयार

अमरावती। बंगाल की खाड़ी में मंडरा रहा चक्रवात 'अकवान' अब गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है और इसके शुक्रवार को आंध्र प्रदेश व यनम तटों को पार करने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यह तूफान बीते छह घंटों में बेहद धीमी गति (3 किलोमीटर प्रति घंटे) से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। बुधवार सुबह 5:30 बजे यह चेन्नई से करीब 580 किलोमीटर पूर्व और मछलीपट्टनम से 610 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। आईएमडी के बुलेटिन में बताया गया है कि 'अकवान' के 20 नवंबर की दोपहर के आसपास नेल्लोर और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश तथा यनम तटों को एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पार करने की संभावना है। इस दौरान हवा की अधिकतम लगातार रफ्तार 100-110 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी, जो बढ़कर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की तरह पहुंच सकती है। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रखर जैन ने बताया कि चक्रवात की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। आपातकालीन राहत अभियानों के लिए एनडीआरएफ की 13 टीमें और एसडीआरएफ की 11 टीमें तमकल सेवाओं के साथ पूरी तरह तैयार हैं। तूफान के कारण शुक्रवार और शुक्रवार को तटीय जिलों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। एपीएसडीएमए ने तटीय इलाकों के लोगों से अपील की है कि वे अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें और किसानों को खेती के कार्यों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राज्य मंत्री वी. अनीता ने भी 'अकवान' से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। यह तूफान अपनी धीमी गति से आगे बढ़ रहा है और शुक्रवार दोपहर तक इसके जमीन पर पहुंचने की उम्मीद है, जिससे तटीय क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी है।

## उच्च शिक्षा में एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग की भागीदारी बढ़ी तो सामान्य वर्ग के विद्यार्थी घटे

### आईआईएम उदयपुर की रिपोर्ट में खुलासा, 13 साल में आरक्षित वर्ग का नामांकन 61.98 प्रतिशत हुआ

नई दिल्ली। देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सामाजिक भागीदारी की तस्वीर पिछले 13 वर्षों में तेजी से बदली है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों का उच्च शिक्षा में संयुक्त नामांकन बढ़कर 61.98 प्रतिशत हो गया है। वहीं, सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की हिस्सेदारी में कई राज्यों में गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) उदयपुर की एक रिपोर्ट में वर्ष 2010-11 से 2023-24 तक के आंकड़ों के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों की संयुक्त हिस्सेदारी 2010-11 में 50.02 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में बढ़कर 79.2 प्रतिशत हो गई। झारखंड में यह 45 से बढ़कर 73 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 45 से बढ़कर 67.2 प्रतिशत और ओडिशा में 31 से बढ़कर 59 प्रतिशत पहुंच गई।

इसी तरह बिहार में आरक्षित वर्ग का नामांकन 41.3 से बढ़कर 71.9 प्रतिशत और राजस्थान में 49.6 से बढ़कर 73.1 प्रतिशत हो गया। अरुणाचल प्रदेश में यह आंकड़ा 57.40 से बढ़कर 81.06 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 64.60 से बढ़कर 87.26 प्रतिशत दर्ज किया गया।

#### सामान्य वर्ग की हिस्सेदारी में गिरावट

रिपोर्ट में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की हिस्सेदारी में कमी भी सामने आई है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को भी शामिल किया गया है। झारखंड में सामान्य वर्ग का नामांकन 55 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत रह गया। छत्तीसगढ़ में यह 49.8 से घटकर 20.8 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 55 से घटकर 32.8 प्रतिशत और बिहार में 58.7 से घटकर 28.1 प्रतिशत हो गया। राजस्थान में भी सामान्य वर्ग की हिस्सेदारी 51 से घटकर 26.9 प्रतिशत दर्ज की गई।

#### उच्च शिक्षा का दायरा भी बढ़ा

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2010-11 में कुल नामांकन 2.75 करोड़ था, जो 2023-24 में बढ़कर 4,50,01,123 हो गया। इस तरह 13 वर्षों में कुल नामांकन में 63.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि में उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या भी 23,290 से बढ़कर 64,756 हो गई।

#### तीन साल में 11 लाख से अधिक विद्यार्थी कम

रिपोर्ट का एक अन्य महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि 2020-21 से 2023-24 के बीच सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या 1.82 करोड़ से घटकर 1.71 करोड़ रह गई। यानी इस अवधि में 11 लाख से अधिक विद्यार्थियों की कमी आई। देश के 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 21 में सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई।

## देश में उच्च शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या 4.50 करोड़ के पार

बालाघाट
गुरुवार 19 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

# बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले के लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम वड़गांव में मंडई कार्यक्रम के दौरान नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। मामले में लांजी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को सिविल न्यायालय लांजी में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 एवं 14 नवंबर की दरमियानी रात ग्राम में मंडई कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसी दौरान नाबालिग बालिका के साथ कथित रूप से दुष्कर्म की घटना हुई। घटना के बाद पीड़िता ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके पश्चात 15 नवंबर को परिजन बालिका को साथ लेकर लांजी थाना पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। पुलिस द्वारा दर्ज अपराध क्रमांक 408/2026 में नामजद आरोपियों में विकास पिता विदेश दांदरे (20 वर्ष), अतुल पिता दसरूलाल पांचे (20 वर्ष), रविशंकर पिता चैतराम बाहे (18 वर्ष), अभय पिता सियाराम ठाकरे (18 वर्ष), सभी निवासी ग्राम वड़गांव, थाना लांजी तथा पांच अवयस्क बालक शामिल हैं। इस प्रकार मामले में अब तक कुल नौ आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।



### बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

लांजी पुलिस ने प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2), 70(2), 115(2) सहित पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(एल), 5(यी) एवं 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। फिलहाल मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। नाबालिग से जुड़ा यह मामला बेहद गंभीर एवं संवेदनशील है। मंडई जैसे सार्वजनिक आयोजन के दौरान इस तरह की घटना सामने आने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। पुलिस की आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

## नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनहेटी में एक 27 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बीती रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए कटंगी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सुषमा राऊत पति दिनेश राऊत 27निवासी सिवनहेटी निवासी नवविवाहिता थी इसलिए पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार जांच की जा रही है। फिलहाल महिला की मौत बीमारी के कारण हुई है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है।

### सुषमा की शादी को हुए थे 3 साल

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुषमा राउत का मायका ग्राम बोथवा में है। वर्ष 2023 में उसका विवाह ग्राम सिवनहेटी निवासी दिनेश राऊत के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुआ था। दिनेश मजदूरी का काम करता है और शादी के बाद अपनी पत्नी के साथ अलग रहता था। जिनके बच्चे नहीं है। दिनेश की मां और भाई भी उसी मकान में अपने-अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं।बताया गया कि हाल ही में सुषमा अपने मायके पक्ष के गांव सादाबोड़ी गई हुई थी। 17 नवंबर की दोपहर वह वापस अपने ससुराल ग्राम सिवनहेटी पहुंची थी। रात में पति-पत्नी ने साथ में भोजन किया और इसके बाद सोने चले गए।

### पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

बताया जाता है कि रात करीब 1 बजे अचानक सुषमा की तबीयत बिगड़ गई। उसकी हालत खराब होते देख परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए कटंगी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मामले की सूचना तिरोड़ी पुलिस को दी गई।सूचना मिलने पर तिरोड़ी पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच में लिया है।

### नवविवाहिता होने से वरिष्ठ अधिकारी करेंगे जांच

सुषमा की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस बीमारी सहित मौत के अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। वहीं विवाहिता की शादी को अभी कुछ ही वर्ष हुए होने के कारण मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा भी नियमानुसार आगे की जांच की जाएगी।

## पत्नी ने पति पर उड़ेला खौलता तेल-गंभीर रूप से झुलसा

### पारिवारिक विवाद के चलते हुई घटना-वारदात के बाद महिला फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी में पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला द्वारा अपने पति पर खौलता हुआ तेल उड़ेलने का मामला सामने आया है। घटना 17 नवंबर की शाम करीब 6 बजे की है। गर्म तेल से पति का चेहरा, कान के पास का हिस्सा और गला झुलस गया। घायल व्यक्ति डाली राम पिता शिवराम बोपचे 51 वर्ष को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गायखुरी निवासी डालीराम बोपचे, मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी श्यामकला और 14 वर्षीय बेटी है जो वर्तमान में अपनी बुआ के घर ग्राम मुरमाड़ी में रहकर पढ़ाई कर रही है।बताया जाता है कि घरेलू विवाद के चलते करीब सात माह पहले श्यामकला घर छोड़कर चली गई थी।इसके बाद सितंबर माह में वह वापस लौटी और घर का दरवाजा तोड़कर रहने लगी थी जबकि डालीराम अलग रह रहे थे। करीब दो माह तक दोनों के बीच स्थिति सामान्य रही। दीपावली के दौरान बेटी के घर आने के बाद पति-पत्नी फिर साथ रहने लगे थे।बताया गया डालीराम मजदूरी से घर लौटे। फ्रेश होने के बाद वे घर में करवट लेकर लेटे हुए मोबाइल देख रहे थे। इसी दौरान उनकी पत्नी श्यामकला खाना बना रही थी। आरोप है कि अचानक श्यामकला ने खौलता हुआ तेल डालीराम के ऊपर उड़ेल दिया और मौके से फरार हो गई। गर्म तेल गिरने से डालीराम का चेहरा, कान के पास का हिस्सा और गला झुलस गया।डालीराम की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार जारी है।घटना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने घायल डालीराम के बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना बालाघाट भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



## मड़ई घूमने गई महिला जलेबी की खौलती कढ़ाई में गिरी-चेहरा झुलसा, एक दांत टूटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम चिखोंद के मगरी टोला में मड़ई घूमने गई 53 वर्षीय महिला हादसे का शिकार हो गई। जलेबी की दुकान के सामने से गुजरते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से महिला जलेबी बनाने के लिए रखी कढ़ाई में मुंह के बल गिर गई। हादसे में उसका चेहरा झुलस गया, वहीं एक दांत भी टूट गया। घायल महिला मालती पति दिलीप जामरे 53 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मगरी टोला निवासी मालती जामरे खेती-किसानी करती हैं। 17 नवंबर को उनके घर के पास ही मड़ई का आयोजन था। रात करीब 9:30 बजे वह बच्चों के साथ मड़ई घूमने निकली थीं। इसी दौरान जलेबी की दुकान के सामने से गुजरते वक्त अचानक वह अनियंत्रित होकर जलेबी बनाने की कढ़ाई में औंधे मुंह गिर पड़ीं। कढ़ाई में मौजूद तेल से उनका चेहरा झुलस गया और एक दांत टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि उस समय कढ़ाई में रखा तेल कुछ ठंडा हो चुका था।जिससे महिला को गंभीर नुकसान होने से बचाव हो गया। परिजनों ने घायल मालती को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

## एक व्यक्ति की खेत में फांसी लगाने से मौत

### हट्टा थाने के ग्राम करियादंड की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करियादंड में इसी ग्राम के एक व्यक्ति भीकम पिता रामसाय पांचे 60 वर्ष ने अपने खेत की झोपड़ी में फांसी लगा ली। हट्टा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है इस व्यक्ति ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी का अनुसार भीकम पांचे खेती किसानी करता था जिसके परिवार में बेटा चिंतामन पांचे बहू पत्नी सहित अन्य लोग हैं। 17 नवंबर को चिंतामन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ ग्राम सालके की मंडई गया था। घर में भीकम अपनी पत्नी के साथ में था। 18 नवंबर को सुबह 6:00 खेत की झोपड़ी के आड़े में भीकम फांसी पर लटका हुआ था जिसकी मौत हो चुकी थी इस व्यक्ति को फांसी पर लटकी हुये परिवार के ही रूपेश ने देखा और चिंतामन को फोन करके बताया कि आपके पिता ने खेत की झोपड़ी में फांसी लगा ली है। खबर मिलते ही चिंतामन अपने घर पहुंचा।परिवार के लोगों ने भीकम को फांसी से नीचे उतार दिए थे। चिंतामन के द्वारा की गई रिपोर्ट पर हट्टा पुलिस ग्राम करियादंड पहुंची और पंचनामा करवाई पश्चात भीकम का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है भीकम ने किस वजह से फांसी लगाई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है।हट्टा पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।







स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट